देश की आवाज

हमारा स्वराज

भोपाल, इंदौर, उज्जैन से प्रकाशित

www.hamaraswaraj.com twitter.com/hamaraswaraj facebook.com/hamaraswaraj | भोपाल, मंगलवार, 13 मई 2025 | वर्ष: 14 | अंक: 61 | पृष्ठ: 08 | मूल्य: 2 रुपए

प्रधानमंत्री का राष्ट्र के नाम संबोधन: ऑपरेशन 'सिंदूर' खत्म नहीं हुआ स्थगित हुआ है, पानी और खून एक साथ नहीं बहेगा, टैरर और टॉक भी एक साथ नहीं

न्यूक्लियर ब्लैकमेलिंग नहीं सहेगा भारत: मोदी

हर आतंकी हमारी बहन-बेटियों के माथों से सिंदूर हटाने का अंजाम जान चुका है

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

भारत और पाकिस्तान तनावपूर्ण रिश्तों के बीच आज प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी रात ने सोमवार को देश को संबोधित किया। उन्होंने कहा, बीते दिनों में हमने देश का सामर्थ्य और उसका संयम दोनों देखा है। मैं सबसे पहले भारत की पराक्रमी सेनाओं, सशस्त्र बलों, हमारी खुफिया एजेंसियों, हमारे वैज्ञानिकों को हर भारतवासी की तरह से सलाम करता हूं। हमारे वीर सैनिकों ने ऑपरेशन सिंदूर के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए असीम शौर्य का प्रदर्शन किया। मोदी ने पाकिस्तान की ओर से बार-बार दी जा जाती रही परमाणु धमकी की भी हवा निकाल दी है। उन्होंने कह भारत परमाणु ब्लैकमेलिंग नहीं सहेगा।

मैं हमारे देश की हर माता को, देश की हर बहन को और देश की हर बेटी को यह वीरता, साहस, पराक्रम को आज समर्पित करता हूं। 22 अप्रैल को पहलगाम में आतंकियों ने जो बर्बरता दिखाई थी, उसने देश और दुनिया को झकझोर दिया था। छुट्टियां मना रहे निर्दोष मासूम नागरिकों को धर्म पूछकर उनके परिवार के सामने, उनके बच्चों के सामने बेरहमी से मार डाला गया था। यह आतंक का बहुत वीभत्स चेहरा था। क्रूरता थी। यह देश के सद्भाव को तोड़ने की घिनौनी कोशिश भी थी। मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से यह पीड़ा बहुत बड़ी थी।

पाकिस्तान के DGMO ने 10 मई को लगाया फोन, तब किया सीजफायर, पाकिस्तान अभी भी राडार पर

तबाही के बाद पाकिस्तानी सेना ने हमारे डीजीएमओ से संपर्क किया

पीएम मोदी ने कहा कि भारत के ड्रोन्स, भारत की मिसाइलों ने सटीकता से हमला किया। पाकिस्तानी वायुसेना के एयरबेस को नुकसान पहुंचाया, जिन पर पाकिस्तान को बहुत घमंड था। भारत ने पहले तीन दिन में ही पाकिस्तान को इतना तबाह कर दिया, जिसका उसे अंदाजा भी नहीं था। इसलिए भारत की आक्रामक कार्रवाई के बाद पाकिस्तान बचने के रास्ते खोजने लगा। पाकिस्तान दुनियाभर में तनाव कम करने के लिए गुहार लगा रहा था और बुरी तरह पिटने के बाद इसी मजबूरी में 10 मई की दोपहर को पाकिस्तानी सेना ने हमारे डीजीएमओ से संपर्क किया। तब तक हम आतंकवाद के इन्फ्रास्ट्रक्चर को बड़े पैमाने पर तबाह कर चुके थे। आतंकियों को मौत के घाट उतार दिया गया था। पाकिस्तान के सीने में बसाए गए आतंक के अड्डों को हमने खंडहर बना दिया था। इसलिए जब पाकिस्तान की तरफ से गुहार लगाई गई, पाकिस्तान की तरफ से जब यह कहा गया कि उसकी ओर से आगे कोई आतंकी गतिविधि और सैन्य दुस्साहस नहीं दिखाया जाएगा, तो भारत ने उस पर भी विचार किया। मैं फिर दोहरा रहा हूं कि हमने पाकिस्तान के आतंकी और सैन्य ठिकानों पर अपनी जवाबी कार्रवाई को अभी सिर्फ स्थगित किया है। आने वाले दिनों में हम पाकिस्तान के हर कदम को इस कसौटी पर मापेंगे कि वह क्या रवैया अपनाता है।

बड़े-बड़े आतंकी हमलों के तार इन्हीं ठिकानों से जुड़ते हैं

जब पाकिस्तान में आतंक के अड्डों पर भारत की मिसाइलों ने हमला किया, भारत के ड्रोन्स ने हमला बोला तो आतंकी संगठनों की इमारतें ही नहीं, बल्कि उनका हौसला भी थर्रा गया। बहावलपुर और मुरीदके जैसे आतंकी ठिकाने एक प्रकार से ग्लोबल टेररिज्म की यूनिवर्सिटी रहे हैं। दुनिया में कहीं पर भी जो बड़े आतंकी हमले हुए हैं, चाहे 9/11 हो, चाहे लंदन ट्यूब बॉम्बिंग हो या भारत में दशकों से बड़े-बड़े आतंकी हमले हुए हैं, उन सभी के तार कहीं न कहीं आतंक के इन्हीं ठिकानों से जुड़ते रहे हैं।

बिलावल को जवाब: पानी-खून भी एक साथ नहीं बह सकते

पाकिस्तानी फौज, पाकिस्तान की सरकार जिस तरह आतंकवाद को खाद-पानी दे रहे हैं, वो एक दिन पाकिस्तान को ही समाप्त कर देगा। पाकिस्तान को अगर बचना है तो उसे अपने टेरर इन्फ्रास्ट्रक्चर का सफाया करना ही होगा। इसके अलावा शांति का कोई रास्ता नहीं है। भारत का मत एकदम स्पष्ट है- टेरर और टॉक, एकसाथ नहीं हो सकते। टेरर और ट्रेड एकसाथ नहीं चल सकते। सिंधु जल संधि के निलंबन की तरफ इशारा करते हुए पीएम मोदी ने साफ किया कि पानी और खून भी एकसाथ नहीं बह सकते।

पाक के सीने पर वार किया

दुनिया ने देखा कि कैसे पाकिस्तान के ड्रोन्स, पाकिस्तान की मिसाइलें भारत के सामने तिनके की तरह बिखर गईं। भारत के सशक्त एयर डिफेंस सिस्टम ने उन्हें आसमान में ही नष्ट कर दिया। पाकिस्तान की तैयारी सीमा पर वार की थी, भारत ने पाकिस्तान के सीने पर वार कर दिया।

ट्रम्प का दावा

भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाली थी परमाणु जंग

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा कि उन्होंने भारत-पाकिस्तान के बीच होने वाली परमाणु जंग रोक दी है। उन्होंने सोमवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से कहा- अमेरिका ने दोनों देशों के बीच सीजफायर कराने में मदद की है।

ट्रम्प ने कहा, मुझे यकीन है कि यह सीजफायर स्थायी होगा। दोनों देशों के पास बहुत सारे परमाणु हथियार हैं, इससे एक भीषण परमाणु जंग छिड़ सकती थी। लाखों लोग मारे जा सकते थे। ट्रम्प ने कहा- मैंने दोनों से कहा कि चलिए इसे रोकते हैं। अगर आप इसे रोकते हैं, तो हम व्यापार कर रहे हैं। अगर आप इसे नहीं रोकते हैं, तो हम कोई व्यापार नहीं करेंगे। लोगों ने कभी भी बिजनेस का उस तरह से इस्तेमाल नहीं किया जैसा मैंने किया। ट्रम्प ने कहा कि मुझे आपको यह बताते हुए बहुत गर्व हो रहा है कि भारत और पाकिस्तान की लीडरशिप बहुत मजबूत और शक्तिशाली है। उनके पास हालात ही गंभीरता को समझने की ताकत, बुद्धि और धीरज भरा नजरिया था। हमने बहुत मदद की। मैं उपराष्ट्रपति जेडी वेंस और विदेश मंत्री मार्को रुबियो को उनके काम के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं। ट्रम्प ने कहा- मैंने कहा आइए, हम आप लोगों के साथ बहुत सारा व्यापार करने जा रहे हैं। हम भारत के साथ बातचीत कर रहे हैं। हम जल्द ही पाकिस्तान के साथ बातचीत करने जा रहे हैं।

ट्रम्प के बेटे ने भी दिया था क्रेडिट

ट्रम्प के बेटे ट्रम्प जूनियर ने रविवार को भारत-पाकिस्तान के बीच हुए सीजफायर का क्रेडिट पिता को दिया था। उन्होंने कहा था कि स्मार्ट लोग बातचीत की टेबल पर हैं और अमेरिका की वजह से दुनिया एक सुरक्षित जगह है। इससे पहले पाकिस्तानी पीएम शहबाज शरीफ ने भी ट्रम्प की तारीफ की थी। उन्होंने शनिवार को टीवी पर दिए गए भाषण में भारत और पाकिस्तान के बीच सीजफायर कराने तारीफ की थी।

भारतीय सेना ने कहा

भय बिनु होय ना प्रीति

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

पाकिस्तान के खिलाफ ऑपरेशन सिंदूर पर भारतीय सेना ने सोमवार को लगातार दूसरे दिन प्रेस कॉन्फ्रेंस की। आर्मी से DGMO लेफ्टिनेंट जनरल राजीव घई, नेवी से वाइस एडमिरल एएन प्रमोद और एयरफोर्स से एयर मार्शल अवधेश कुमार भारती ने 'ऑपरेशन सिंदूर' पर 32 मिनट तक फिर जानकारी दी।

एयर मार्शल भारती ने कहा, 'भय बिनु होय ना प्रीति। हमारी लड़ाई आतंकवादियों के साथ है। हमारी लड़ाई पाकिस्तानी मिलिट्री के साथ नहीं है। पाकिस्तान की सेना ने आतंकियों का साथ दिया, तो हमने उसका जवाब दिया। अपनी सेना के नुकसान के लिए वह खुद जिम्मेदार है।' भारत और पाकिस्तान के बीच 10 मई की शाम 5 बजे संघर्ष विराम हुआ था। उन्होंने कहाकि कल हमने 'ऑपरेशन सिंदूर' की जॉइंट ऑपरेशन की डिटेल ब्रीफिंग दी थी। हमने कहा था कि हमारी लड़ाई आतंकवादियों के साथ है। हमारी लड़ाई पाकिस्तानी मिलिट्री के साथ नहीं है। पाकिस्तान सेना ने दखलंदाजी की, हमने उसका जवाब दिया। हमारी लड़ाई आतंकवाद और आतंकवादियों के साथ थी, 7 मई को हमने सिर्फ आतंकवादियों पर हमला किया। पाकिस्तानी सेना ने आतंकवादियों का साथ दिया और हमें जवाब देना पड़ा। उन्हें जो नुकसान हुआ उसके लिए पाकिस्तानी सेना जिम्मेदार है। पाकिस्तान की तरफ से किए गए हमले में चाइनीज ओरिजन की मिसाइल शामिल थीं, इनमें लॉन्ग रेंज रॉकेट थे, uav थे, चीनी ओरिजन के कुछ कॉप्टर्स और ड्रोन थे। इन्हें हमारे एयरडिफेंस सिस्टम ने मार गिराया। हमने सिविलियन और मिलिट्री इन्फ्रास्ट्रक्चर को मिनिमम टारगेट पर रखा, जबकि पाकिस्तानी सेना लगातार सभी जगह हमले कर रही थी। आपको पता है कि एयर डिफेंस सिस्टम की हमारे पास वैरायटी है। इसमें लो लेवल फायरिंग, सरफेस टु एयर मिसाइल, लॉन्ग और शॉर्ट रेंज मिसाइल शामिल हैं। हम पर ड्रोन और UAV से हमला किया गया है। पाकिस्तानी हमले के दौरान हमारे सभी सिस्टम एकसाथ एक्टिव हुए, मॉडर्न डेज वार फाइटिंग के लिहाज से ये अहम था। पुराने माने जा रहे एयर डिफेंस सिस्टम ने भी सही तरह से काम किया। आकाश सिस्टम से भी हमलों का जवाब दिया गया।

सीएम मोहन यादव की चेतावनी

नक्सली सरेंडर करें, नहीं तो मारे जाएंगे

हमारा स्वराज। भोपाल

एक तरफ देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सीमा पार के दुश्मन पाकिस्तान को मुंहतोड़ जवाब दे रहे थे, दूसरी ओर मध्यप्रदेश के सीएम डॉ. मोहन यादव ने देश के अंदर रहकर नापाक हरकतें करने वाले नक्सलियों को कड़ी चेतावनी दी है।

बालाघाट जिले के लांजी में आयोजित क्रम से पूर्व पदोन्नति अलंकर समारोह को संबोधित करते हुए सीएम यादव ने नक्सलियों को सरेंडर करने का अल्टीमेटम दे दिया है। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में भारतीय सेना ने पाकिस्तान को 4 दिन की

लड़ाई में पस्त कर दिया। गृह मंत्री श्री शाह के नेतृत्व में देशभर में नक्सल विरोधी अभियान संचालित हो रहा है। इस अभियान को मजबूती देने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस को आधुनिक हथियारों और तकनीक से लैस किया जा रहा है। राज्य सरकार नक्सलियों से निपटने में पूरी तरह सक्षम है। बालाघाट की धरती पर यह अलंकरण समारोह नक्सलियों को सीधा संदेश है कि वे सरेंडर करें नहीं तो मारे जाएंगे। प्रदेश की धरती पर नक्सल का खूनी खेल अब नहीं चलेगा। उन्होंने कहा कि आज बालाघाट में पुलिस के वीरों का सम्मान हो रहा है। पुलिसकर्मी जान की बाजी लगाकर नागरिकों की सुरक्षा करते है। मुख्यमंत्री ने सर्वोच्च बलिदान देने वाले 37 पुलिसकर्मियों को नमन करते हुए कहा कि जिसका जन्म हुआ है, उसकी मृत्यु निश्चित है, लेकिन मृत्यु ऐसी हो, जिस पर हर कोगर्व करे। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा है कि प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी और केंद्रीय गृह मंत्री श्री अमित शाह के नेतृत्व में वर्ष-2026 तक देशभर से नक्सलवाद के खात्मे का संकल्प लिया गया है। इसे पूरा करने प्रदेश सरकार भी केंद्र सरकार के साथ कंधे से कंधा मिलाकर कार्य

"हम हर हालत में पाकिस्तान के साथ हैं" : चीन

यह सिर्फ एक बयान नहीं, चेतावनी है... चिंतन करें और तय करें।

आपका समर्थन भारत के साथ है या सस्ते चायनीज प्रोडक्ट्स के पीछे छुपे स्वार्थ के साथ?

हमारी सेना सीमा पर जान की बाज़ी लगा रही है, और हम, सिर्फ सस्ते सामान के लिए उस देश की जेब भर रहे हैं, जो हमारे दुश्मनों का साथ दे रहा है?

जहां तक संभव हो, चायनीज वस्तुओं का उपयोग टालें।
लोकल खरीदें, अपने देश को मज़बूत बनाएं।

सेना हमारी रक्षा के लिए बंदूक थामे है
हम जिम्मेदारी थामें. .

दैनिक समाचार पत्र
हमारा स्वराज
भोपाल, इंदौर, उज्जैन से प्रकाशित

www.hamaraswaraj.in
facebook.com/hamaraswaraj
hamara.swaraj@gmail.com
+91 8357089000 | 9644567000

होल्कर स्टेडियम में बम की धमकी से हड़कंप, चार दिन में दूसरी बार हरकत

हमारा स्वराज। इंदौर

इंदौर के होल्कर स्टेडियम को एक बार फिर से धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ है। इस ईमेल में लिखा गया है कि स्टेडियम में बम प्लांट कर दिया गया है और जल्द ही एक बड़ा धमाका होने वाला है। इस संबंध में मध्यप्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन (एमपीसीए) के एक प्रशासनिक अधिकारी ने तुरंत पुलिस को सूचना दी। इसके बाद पुलिस की टीम और बम स्क्वॉड मौके पर पहुंचे और सघन जांच शुरू की, लेकिन जांच में कुछ भी संदिग्ध नहीं मिला।

तुकोगंज थाना प्रभारी जितेन्द्र यादव ने बताया कि सोमवार सुबह उन्हें एमपीसीए की ओर से कॉल आया था। कॉल में बताया गया कि उनके आधिकारिक ईमेल पर एक बार फिर धमकी भरा मेल प्राप्त

हुआ है। इस मेल में यह दावा किया गया कि स्टेडियम में बम रखा गया है। इसके बाद वरिष्ठ अधिकारियों को जानकारी दी गई और बम स्क्वॉड की टीम को बुलाकर जांच कराई गई। हालांकि स्टेडियम में कोई विस्फोटक सामग्री नहीं मिली।

इससे पहले 9 मई को भी एमपीसीए को इसी प्रकार की धमकी दी गई थी। उस ईमेल में कहा गया था कि स्टेडियम में बम विस्फोट किया जाएगा और साथ ही यह चेतावनी भी दी गई थी कि पाकिस्तान से पंगा न लिया जाए। ईमेल में यह भी लिखा गया था कि सरकार को समझाना चाहिए क्योंकि पाकिस्तान के स्लीपर सेल पूरे देश में सक्रिय हैं। उस समय एमपीसीए के अधिकारी रोहित पंडित ने तुकोगंज थाने में इस धमकी की जानकारी दी थी। सूचना मिलते ही थाना प्रभारी जितेन्द्र यादव अपनी टीम के साथ मौके पर पहुंचे थे, लेकिन उस समय भी कुछ नहीं मिला था। शनिवार को इसी तरह का धमकी भरा मेल इंदौर के बॉम्बे अस्पताल को भी मिला था। इस मेल के बाद प्रशासनिक अधिकारी पाराशर ने लसूडिया पुलिस को शिकायत दी थी। डीसीपी अभिनव विश्वकर्मा ने बताया कि उन्होंने भी अपनी टीम के साथ अस्पताल में जांच कराई, लेकिन वहां भी कुछ संदिग्ध नहीं मिला।

जांच में जुटी क्राइम ब्रांच

इन सभी घटनाओं के बाद क्राइम ब्रांच की टीमें धमकी भरे मेलों की गहराई से जांच कर रही हैं। उल्लेखनीय है कि कुछ दिन पहले पंजाब नेशनल बैंक को भी इसी तरह का धमकी भरा ईमेल प्राप्त हुआ था, जिससे शहर में दहशत का माहौल बन गया है।

भारत-पाक तनाव के बीच इंदौर से उड़ानें फिर से शुरू

जोधपुर, चंडीगढ़ और जम्मू की उड़ानों की बुकिंग 15 मई से, टिकटों में छूट

हमारा स्वराज। इंदौर

भारत-पाकिस्तान के बीच बढ़ते तनाव के कारण बॉर्डर के पास स्थित एयरपोर्ट्स से उड़ानों का संचालन बंद कर दिया गया था। इसके बाद इन एयरपोर्ट्स से संचालित होने वाली फ्लाइट्स की बुकिंग भी रोक दी गई थी। इंदौर से जोधपुर, चंडीगढ़ और जम्मू की उड़ानें भी बंद कर दी गई थीं। हालांकि, अब इंडिगो एयरलाइंस ने इन रूट्स की बुकिंग फिर से शुरू कर दी है। 15 मई से इन उड़ानों की बुकिंग उपलब्ध है और फिलहाल टिकट की कीमत 4,000 रुपए से शुरू हो रही है। सामान्य दिनों में इन टिकटों की कीमत 6,000 से 7,000 रुपए तक होती थी। एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया ने भी घोषणा की है कि जो एयरपोर्ट बंद किए गए थे, वे अब सिविल फ्लाइट्स के लिए फिर से खोले जा रहे हैं।

इंदौर के ट्रैवल एजेंटों का कहना है कि इंदौर से ज्यादातर पर्यटक जोधपुर, चंडीगढ़ और जम्मू एयरपोर्ट से कनेक्टिंग फ्लाइट्स के जरिए अन्य पर्यटन स्थलों पर जाते हैं। इसलिए, इन रूट्स पर फ्लाइट्स कम बुक होने के कारण टिकटों की कीमत सस्ती रह सकती है। 6 मई को पहलगाम में आतंकी हमले के बाद भारत ने पाकिस्तान के 9 आतंकी ठिकानों पर हमला किया था। इस जवाबी हमले के बाद सुरक्षा कारणों से 7 मई से पाकिस्तान सीमा से सटे जम्मू-कश्मीर, पंजाब, राजस्थान और गुजरात के एयरपोर्ट्स पर सभी यात्री उड़ानों का संचालन बंद कर दिया गया था। यह बंदी 10 मई तक रखी गई थी। ट्रैवल एजेंटों के अनुसार, इंदौर से जोधपुर, जम्मू और चंडीगढ़ की उड़ानों की बुकिंग 15 मई से शुरू हो गई है, लेकिन इसके बावजूद यात्री टिकट लेने में संकोच कर रहे हैं। इसका परिणाम यह हुआ कि इन रूट्स पर टिकट की कीमत बेहद कम है। यदि युद्ध की स्थिति बनी रहती है, तो सीमावर्ती एयरपोर्ट्स पर उड़ानों का संचालन आगे भी बंद रह सकता है, जिससे 15 मई के बाद भी उड़ानें निरस्त हो सकती हैं।

पिकनिक मनाने गए दो युवकों की डूबने से मौत

हमारा स्वराज। इंदौर

इंदौर के बेटमा थाना क्षेत्र के मोना ग्राम में रविवार शाम एक दर्दनाक हादसा हो गया, जब 30 वर्षीय ठेकेदार तेहनून पिता नवाब खान की फार्महाउस में बने तालाब में डूबने से मौत हो गई। टाटपट्टी बाखल निवासी तेहनून अपने परिवार के साथ पिकनिक मनाने गया था। पिकनिक के दौरान वह तालाब में नहाने उतरा और तभी यह हादसा हुआ। बताया गया कि शाम करीब 6 बजे तेहनून ने तालाब में डुबकी लगाई, लेकिन काफी देर तक पानी से बाहर नहीं आया।

सीपीआर देने के बाद अस्पताल ले जाया गया, लेकिन नहीं बच पायाः

तेहनून के साथ मौजूद लोगों ने उसे ढूंढकर तालाब से बाहर निकाला और उसे सीपीआर देने की कोशिश की गई। उसे तत्काल अन्नपूर्णा क्षेत्र के एक निजी अस्पताल यूनिक ले जाया

गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों और परिवार के सदस्यों ने बताया कि तेहनून को तैरना अच्छी तरह आता था, फिर भी वह कैसे डूब गया, यह रहस्य बना हुआ है। प्रारंभिक तौर पर आशंका जताई जा रही है कि संभवतः उसे पानी में कोई गंभीर चोट लगी होगी या फिर किसी अन्य स्वास्थ्य कारण से उसकी मौत हुई हो।

फिलहाल पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मौत के असली कारण का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट के आने के बाद ही हो पाएगा। हादसे के वक्त तेहनून का पूरा परिवार फार्महाउस पर मौजूद था। तेहनून पेशे से ठेकेदार था और उसके परिवार में पत्नी के अलावा दो छोटे बेटे है।

मुहाड़ी फाल में भी युवक की डूबने से मौत

रविवार को ही इंदौर के खुड़ैल थाना क्षेत्र के मुहाड़ी फाल में भी डूबने से एक युवक की जान चली गई। गौरीनगर निवासी 22 वर्षीय पवन श्रीवास्तव अपने दोस्तों के साथ पिकनिक मनाने गया था। पवन गहरे पानी में नहाने उतरा और कुछ देर बाद डूबने लगा। उसने दोस्तों से मदद की गुहार लगाई, लेकिन तब तक वह गहराई में चला गया। दोस्तों ने ग्रामीणों को सूचना दी, जिसके बाद SDRF की टीम ने रेस्क्यू अभियान चलाया और सोमवार को पवन का शव बरामद कर पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भेजा गया।

देश का पहला जीरो वेस्ट बनेगा इंदौर का चिड़ियाघर

हमारा स्वराज। इंदौर

इंदौर का चिड़ियाघर देश का पहला ऐसा चिड़ियाघर बनने जा रहा है। जहां से निकलने वाले कचरे का मैनेजमेंट चिड़ियाघर परिसर के अंदर ही किया जाएगा। नगर निगम आयुक्त शिवम वर्मा व अन्य अधिकारियों ने सोमवार को चिड़ियाघर का दौरा किया। आयुक्त ने अधिकारियों को जरूरी दिशा-निर्देश भी दिए।

आयुक्त वर्मा ने बताया कि योजना के अनुसार चिड़ियाघर में उत्पन्न होने वाले विभिन्न प्रकार के कचरे जैसे कि खाद्य अपशिष्ट, बागवानी अपशिष्ट और सूखा कचरा के निपटारे के लिए परिसर में ही पीट बनाए जाएंगे। नाडेप पीट तकनीक का उपयोग भी करके ग्रीन वेस्ट से खाद बनाई जाएगी, जिसका उपयोग चिड़ियाघर के अंदर बागवानी में किया जाएगा।

सूखे कचरे को 7 अलग-अलग श्रेणियों में विभाजित कर पुनर्चक्रण के लिए भेजा जाएगा। इस पहल को गोदरेज प्रोडक्ट्स लिमिटेड द्वारा कॉर्पोरेट सोशल रिस्पांसिबिलिटी (CSR) के तहत समर्थन दिया जा रहा है। इसके अतिरिक्त, फीडबैक फाउंडेशन चिड़ियाघर में हैंड-होल्डिंग सपोर्ट प्रदान करेगा, जिसके तहत स्वच्छता कर्मियों को कचरा प्रसंस्करण और उपचार के लिए प्रशिक्षण और निगरानी प्रदान की जाएगी। आयुक्त ने कहा कि यह इंदौर को स्वच्छता के क्षेत्र में एक और महत्वपूर्ण उपलब्धि दिलाएगा और अन्य चिड़ियाघरों के लिए भी एक उदाहरण प्रस्तुत करेगा। उन्होंने कहा यह कदम न केवल चिड़ियाघर को स्वच्छ और टिकाऊ बनाएगा, बल्कि यहां आने वालों को वेस्ट प्रोसेसिंग की प्रक्रिया को प्रत्यक्ष रूप से देखने का अवसर भी देगा।

उज्जैन के कंचनपुरा के मकान में लगी आग

हमारा स्वराज। उज्जैन

उज्जैन के मक्सी रोड स्थित कंचनपुरा की गली नंबर 7 में रहने वाले माधव बैरागी के घर में सुबह 4 बजे आग लग गई। देखते ही देखते आग ने भीषण रूप ले लिया। आग लगने के समय माधव बैरागी घर में सो रहा था, जैसे ही आग लगी वैसे ही वह जान बचाकर बाहर निकाल गया।

आग की सूचना पर क्षेत्र के अन्य लोग भी मौके पर पहुंचे और आग बुझाने का प्रयास किया। इस दौरान क्षेत्रीय पार्षद जितेंद्र कुवाल भी मौके पर पहुंचे और उन्होंने भी आग बुझाने में लोगों की मदद की। फायर ब्रिगेड को सूचना करने के 1 घंटे के बाद फायर ब्रिगेड की फायर फाइटर मौके पर पहुंची। जिससे पहले ही रहवासियों ने बाल्टी और घरों के नलों से पानी डालकर आग पर काबू पा लिया घटना में पूरा घर का सामान जलकर खाक हो गया है। आगजनी से घर में रखा लाखों रुपए का समान जल गया।

मंत्री के पीए पर हमला करने वाले को पीटा

हमारा स्वराज। इंदौर

इंदौर के पलासिया में पिछले दिनों मंत्री कैलाश विजयवर्गीय के पीए पर एक कैब कार ड्रायवर ने सामान रखने की बात पर हमला कर दिया। इस हमले में घायल पीए हरीश को निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया था। पलासिया पुलिस ने आरोपी शैलेन्द्र को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया था। यहां से उसे जेल भेजा गया था। जिला जेल में रविवार को उस पर अन्य कैदियों ने हमला कर दिया।

जिला जेल के उपजेल अधीक्षक आलोक वाजपेयी ने जानकारी देते हुए बताया कि जेल में पिछले दिनों विचाराधीन बंदी शैलेन्द्र पर रविवार को हेमन्त उर्फ भोला पुत्र विष्णु नाम के एक आरोपी ने हमला कर दिया। इस दौरान हेमंत के साथ राजा भी था। वहां सुरक्षा में मौजूद अन्य बंदियों ने शैलेन्द्र को बचा लिया। बाद में पूछताछ में हेमंत ने बताया कि उसने राजा के कहने पर पूरे घटनाक्रम को अंजाम दिया था। उप जेल अधीक्षक आलोक वाजपेयी के मुताबिक शैलेन्द्र को ज्यादा चोट नहीं आई है। उसकी हालत ठीक है।

45 दिन से धरने पर बैठे विद्यार्थी डीन को हटाने की जिद पर अड़े

हमारा स्वराज। इंदौर

कृषि कॉलेज के स्टूडेंट्स का धरना अब 45 दिनों से भी ज्यादा वक्त से जारी है, लेकिन उनकी मुख्य मांग पर कोई समाधान नहीं निकल सका है। स्टूडेंट्स कॉलेज के डीन को हटाने की मांग कर रहे हैं। मामले की जांच के लिए कमेटी भी बनाई गई थी। स्टूडेंट्स का कहना है कि कमेटी द्वारा अभी तक कोई रिपोर्ट नहीं दी गई है, और उनका संघर्ष प्रशासन से लेकर मंत्रियों तक जारी रहा है। इस लंबी अवधि में धरने पर बैठे छात्रों के बीच असंतोष बढ़ता जा रहा है, और उनकी उम्मीदें अब कलेक्टर से मिलने की है।

मामले में नेशनल एजुकेटेड यूथ यूनियन (NEYU) के सदस्य रंजीत किसानवंशी ने कहा कि कॉलेज प्रशासन ने एक पांच सदस्यीय

कमेटी बनाई थी, जिसमें प्रशासनिक अधिकारी और प्रोफेसर भी शामिल थे। कमेटी का गठन छात्रों की शिकायतों की जांच करने के लिए किया गया था, लेकिन अब तक जांच रिपोर्ट नहीं दी गई है।

रंजीत ने यह भी बताया कि कमेटी की ओर से जांच पूरी हो चुकी है, लेकिन छात्रों को अभी तक कोई औपचारिक रिपोर्ट प्राप्त नहीं हुई है। इस कारण स्टूडेंट्स का आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

कलेक्टर से मुलाकात का लिया निर्णय : रंजीत किसानवंशी ने यह भी बताया कि अब वे और NEYU के सदस्य मंगलवार को कलेक्टर से मुलाकात करने जा रहे हैं। कलेक्टर से मिलने का मुख्य उद्देश्य कमेटी की जांच रिपोर्ट के बारे में जानकारी लेना है। वे उम्मीद करते हैं कि प्रशासन इस मामले को शीघ्र सुलझाएगा और छात्रों के मुद्दे का समाधान निकालेगा। रंजीत ने स्पष्ट किया कि जब तक इस मुद्दे का कोई समाधान नहीं निकलता, तब तक स्टूडेंट्स का धरना प्रदर्शन जारी रहेगा।

मध्यप्रदेश के प्रमुख दैनिक समाचार पत्र

हमारा स्वराज
भोपाल, इंदौर, उज्जैन से प्रकाशित

से जुड़ने का सुनहरा अवसर

(पत्रकारिता के क्षेत्र में अनुभवी व्यक्तियों को प्राथमिकता)

मध्यप्रदेश के सभी जिलों में जिला ब्यूरो एवं तहसील संवाददाता बनने हेतु इच्छुक व्यक्ति

आज ही सम्पर्क करें

hamara.swaraj@gmail.com
+91 9644567000 | 9406600127 | 9617457594 | 9009911734

अभ्यास मंडल की 64वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यानमाला में अवस्थी बोले-

मल्टीलेवल कार पार्किंग को सभी शहरों को अपनाना होगा

हमारा स्वराज। इंदौर

इंदौर। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री के सलाहकार अवनीश अवस्थी ने कहा है कि देश के शहरों में बढ़ रही यातायात की समस्या का समाधान एलीवेटेड रोड के माध्यम से ही निकल सकता है। शहरों में जो पार्किंग की समस्या पैदा हो रही है, इस समस्या के हल के लिए मल्टीलेवल कार पार्किंग को अपनाना आवश्यक है।

वे आज यहां अभ्यास मंडल की 64वीं ग्रीष्मकालीन व्याख्यान माला को संबोधित कर रहे थे। उनके विषय था- आधुनिक शहरीकरण में ई गवर्नेंस की भूमिका। उन्होंने कहा कि वर्तमान समय डिजिटलाइजेशन और तकनीक का है। हमारे देश में पिछले 10 साल में महत्वपूर्ण परिवर्तन आया है। देश की अर्थव्यवस्था विश्व में 9 वें स्थान से चौथे स्थान पर आ गई है। हमारे देश में करीब 54 करोड़ की शहरी आबादी है जो की कुल आबादी का 37% है। वर्ष 2011 की जनगणना में देश में शहरी आबादी 31% थी। इससे स्पष्ट है कि 6% की आबादी गांव से शहर में आ गई। यदि उत्तर प्रदेश की बात करें तो वहां पर शहरी आबादी 22% है। हमारा प्रदेश कृषि प्रधान है। करीब करीब यही स्थिति मध्य प्रदेश की होगी। हमारे देश की जीडीपी में शहरी क्षेत्र की भागीदारी 60% है, जबकि कुल जमीन का तीन प्रतिशत हिस्सा ही शहरी क्षेत्र में है। देश में शहरीकरण के साथ औद्योगिकरण भी आवश्यक है। कृषि के क्षेत्र में बहुत कम आय हैं। उत्तर प्रदेश में 700 शहरी संरचनाएं हैं। वहां पर 25000 करोड रुपए खर्च कर इन शहरी क्षेत्र का चेहरा बदला गया है।

कुंभ के आयोजन की चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि इस आयोजन पर राज्य सरकार के द्वारा 2500 करोड रुपए खर्च किए गए। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस के माध्यम से इस आयोजन में क्राउड मैनेजमेंट किया गया।

उन्होंने कहा कि अब उत्तर प्रदेश में कहीं भी कोई फाइल कागजों पर नहीं चलती है। हर फाइल ई फाइल के रूप में ही बनती है और आगे बढ़ती है। हमारे प्रदेश में हर शहर में इंटेलीजेंट ट्रैफिक मैनेजमेंट सिस्टम, स्मार्ट क्लासेस बनाई गई है। हर व्यापारी के लिए अपने संस्थान पर सीसीटीवी कैमरा लगाना अनिवार्य किया गया है। इसके माध्यम से क्राइम की घटनाओं को सुलझाने में मदद मिलती है। उन्होंने कहा कि ब्रिटेन, इंग्लैंड में सारी सुविधा मिलती है लेकिन हर सुविधा का शुल्क चुकाना पड़ता है। वहां पर स्थानीय निकाय की कमाई आयकर से ज्यादा होती है। हमारे देश में तो सरकार के द्वारा शहरी निकाय को चलाया जाता है। हमने अपने प्रदेश में हर निकाय में जीआईएस मैपिंग की है जिसके माध्यम से नगरीय निकायों का रिवेन्यू कलेक्शन 1 साल में तीन गुना बढ़ गया है। नगरीय निकाय में जितना ज्यादा राजस्व अर्जित होगा उतनी ही स्थिति मजबूत होगी। उत्तर प्रदेश में नगरीय निकाय की 99% सेवाएं ऑनलाइन है। हमारे यहां पर सैटेलाइट इमेज के माध्यम से रोड की डिजाइन तैयार की जाती है।

कार्यक्रम के प्रारंभ में अतिथियों का स्वागत संपत झंवर, शरद सोमपुरकर, द्वारका मालवीय ने किया। अंत में आभार प्रदर्शन अजीत सिंह नारंग ने किया। कार्यक्रम का संचालन अशोक कोठारी ने किया। अतिथि को स्मृति चिन्ह पद्मश्री भालू मोंढे और हंसमुख गांधी ने भेंट किया। जी एस शर्मा, जेठानंद रमानी, श्याम सुंदर यादव, मदन राणे डॉ रजनी भंडारी आदि उपस्थित थे

आज का व्याख्यान

अभ्यास मंडल के अध्यक्ष रामेश्वर गुप्ता ने बताया कि कल मंगलवार 13 में को शाम 6:30 बजे पद्म भूषण डॉ अनिल काकोडकर का व्याख्यान होगा। वे एटॉमिक एनर्जी कमीशन ऑफ़ इंडिया मुंबई के अध्यक्ष है। उनका विषय है- मेरे सपनों का विकसित भारत। यह व्याख्यान जाल सभागृह में होगा।

शिवराज बोले-

ऑपरेशन सिंदूर का संदेश अब भारत सहन नहीं करेगा

ललकारा तो ऐसा जवाब देंगे कि पीढ़ियां याद रखेंगी

हमारा स्वराज। भोपाल

पहलगाम हमले के बाद भारतीय सेनाओं द्वारा चलाए गए ऑपरेशन सिंदूर को लेकर केन्द्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और भारत की सेनाओं की तारीफ की है।

शिवराज ने X पर लिखा- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी और सशक्त नेतृत्व में भारत ने पहलगाम हमले का जो उत्तर दिया, वह इतिहास के पन्नों में साहस, संयम और रणनीति का स्वर्णिम अध्याय बन गया है। प्रधानमंत्री जी ने भारत की जवाबी कार्रवाई की एक ऐसी रूपरेखा तैयार की, जिसमें रणनीतिक सूझबूझ, सैन्य समन्वय और वैश्विक संदेश शामिल थे।

शिवराज ने लिखा- सिंधु जल संधि को निलंबित किया गया। थलसेना, वायुसेना और नौसेना ने ऑपरेशन सिंदूर को अंजाम दिया, जिसमें पाकिस्तान के 11 सैन्य ठिकानों को निशाना बनाया गया। सैकड़ों ड्रोन और मिसाइल प्लेटफॉर्म तबाह किए गए और जैश, लश्कर व हिजबुल जैसे आतंकवादी संगठनों के 9 कमांड सेंटर पूरी तरह समाप्त कर दिए गए। शिवराज ने आगे लिखा-इस पूरे अभियान में एक बात और भी स्पष्ट हुई कि भारत ने कभी भी पाकिस्तान के आम नागरिकों को निशाना नहीं बनाया और अपने हर कदम को कानूनी तथा नैतिक रूप से उचित बनाए रखा।

सेना का पराक्रम इतिहास में अमिट रूप से अंकित रहेगा : एक अन्य ट्वीट में शिवराज ने लिखा- मां भारती के वीर सपूतों ने जिस साहस, रणनीतिक कुशलता और अद्वितीय पराक्रम का प्रदर्शन किया है, वह इतिहास के स्वर्णिम अध्यायों में सदा के लिए अमिट रूप से अंकित रहेगा।

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के दूरदर्शी और निर्णायक नेतृत्व में भारतीय सेना ने आतंकवाद के विरुद्ध ऐसा प्रहार किया, जिसने न केवल दुश्मन को करारा जवाब दिया, बल्कि वैश्विक मंच पर भारत की सैन्य दक्षता और अटल इच्छाशक्ति का भी डंका बजा दिया।

शिवराज ने लिखा- ऑपरेशन सिंदूर केवल एक सैन्य अभियान नहीं, बल्कि भारत की आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति का स्पष्ट और शक्तिशाली प्रमाण है। इसने पाकिस्तान को न केवल सामरिक, बल्कि कूटनीतिक स्तर पर भी एक ठोस संदेश दिया कि अब भारत चुप नहीं बैठेगा। यह अभियान भारत की एकता, राष्ट्रीय संप्रभुता और मजबूत नेतृत्व का प्रतीक बन चुका है। यह प्रत्येक भारतीय के लिए अभूतपूर्व गौरव का क्षण है। मैं भारत माता के उन अमर वीरों को श्रद्धा, सम्मान और प्रणाम अर्पित करता हूं, जिनके साहस से आज तिरंगा और ऊंचा लहराया है। ऑपरेशन सिंदूर में भारतीय सेना ने अप्रतिम पराक्रम का प्रदर्शन करते हुए नूर खान, सरगोधा, भोलारी, जैकोबाबाद सहित पाकिस्तान के 11 सैन्य ठिकानों पर हमला किया। साथ ही सैकड़ों ड्रोन तथा मिसाइलों को प्रभावी ढंग से नष्ट कर अपनी उच्च सैन्य क्षमता का परिचय समस्त विश्व को दिया।

9 आतंकी ठिकाने ध्वस्त किए : शिवराज ने लिखा- प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में थलसेना, वायुसेना और नौसेना ने अभूतपूर्व समन्वय का परिचय देते हुए जैश-ए-मोहम्मद, लश्कर-ए-तैयबा के कमांड सेंटर सहित 9 प्रमुख आतंकी ठिकानों को पूर्णतः मिट्टी में मिलाने का काम किया। ऑपरेशन सिंदूर' केवल एक सैन्य कार्रवाई नहीं, बल्कि भारत के आत्मबल, नीति और नेतृत्व का ऐतिहासिक घोष है। इस अभियान ने सिद्ध कर दिया कि जब आतंकवाद के विरुद्ध निर्णायक कदम उठाने की बात हो, तो भारत पीछे नहीं हटता।

शिवराज ने लिखा- यह विजय भारत की सैन्य शक्ति और राष्ट्रभक्ति की विजय है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व में भारत ने दुनिया को दिखाया कि हम युद्ध नहीं चाहते, लेकिन यदि ललकारा गया तो जवाब भी ऐसा देंगे कि आने वाली पीढ़ियां याद रखें। आज हर भारतवासी के मन में गर्व है, आत्मविश्वास है और राष्ट्र के प्रति अटूट आस्था है।

भोपाल में रोशनपुरा चौरोहे से बाणगंगा चौराहे की ओर उतर रही स्कूल बस के ब्रेक हुए फेल

कई वाहनों को मारी टक्कर, एक छात्रा समेत दो की मौत, 6 लोग घायल

हमारा स्वराज। भोपाल

भोपाल में मंगलवार को बड़ा हादसा हो गया। रोशनपुरा चौरोहे से बाणगंगा चौराहे की ओर उतर रही स्कूल बस के अचानक ब्रेक फेल हो गए। अनियंत्रित बस ने एक कार व चार दो पहिया वाहनों को अपनी चपेट ले लिया। इस हादसे में एक युवक की मौके पर ही मौत हो गई। जबकि दूसरे व्यक्ति की अस्पताल में मौत की खबर है। हादसे में आधा दर्जन लोग घायल हुए हैं। इनमें से तीन की हालत गंभीर बताई जा रही है।

बताया गया है कि बस के ब्रेक फेल होने से हादसा हुआ है। इसका वीडियो भी सामने आया है। हादसे के बाद ड्राइवर मौके से भाग निकला।

बस की टक्कर से उछली डॉक्टर, 50 फीट तक घिसटी

वीडियो में दिख रहा है कि रेड सिग्नल के दौरान बाणगंगा चौराहे पर गाड़ियां आकर रुकीं। इसी दौरान एक स्कूल बस पीछे से तेज रफ्तार में आई और आगे खड़ी गाड़ियों को कुचलते हुए बढ़ गई। बस के ठीक सामने खड़ी स्कूटी पर बैठी युवती उसकी टक्कर से उछली। वह स्कूटी समेत बस के अगले हिस्से में फंस गई। करीब 50 फीट तक घिसटने के बाद स्कूटी बस के अगले हिस्से से निकली तो युवती अगले पहिए के नीचे आ गई। हादसे में जान गंवाने वाली आयशा खान बीएएमएस डॉक्टर थीं। मुल्ला कॉलोनी निवासी आयशा जेपी हॉस्पिटल में इंटर्नशिप कर रही थीं। वहीं से घर लौटते वक्त हादसे का शिकार हो गईं।

आयशा के पिता जाहिद खान जबलपुर में इंडियन बैंक में मैनेजर हैं। एक छोटा भाई है। अगले महीने 14 तारीख को आयशा की शादी तय है। मां कार्ड बांटने गई थी, इसी दौरान बेटी की मौत की सूचना मिली।

ड्राइवर हटो-हटो चिल्ला रहा था : बस ने जिस कार को टक्कर मारी, वो कार झटके से आगे खड़ी दूसरी कार को टक्कर मारते हुए आगे बढ़ी। इससे दूसरी कार के सामने खड़े बाइक सवार को भी टक्कर लगी। प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, सिग्नल पर 10-12 वाहन खड़े थे। इसी दौरान पीछे से स्कूल बस आई। उसका ड्राइवर हटो-हटो चिल्ला रहा था। कुछ ही सेकंड्स में बस लोगों को कुचलती हुई आगे बढ़ गई। बस रोशनपुर चौराहा से पॉलिटेक्निक कॉलेज की तरफ जा रही थी।

नवंबर 2024 में एक्सपायर हो चुका था फिटनेस

जिस स्कूल बस से हादसा हुआ, उसका फिटनेस नवंबर 2024 में एक्सपायर हो चुका था। इसके बाद भी इसे सड़क पर चलाया जा रहा था। भोपाल आरटीओ जितेंद्र शर्मा का कहना है कि यह बस निजी स्कूल में रजिस्टर्ड थी। संबंधित को नोटिस देकर पूछताछ की जाएगी कि बस सड़क पर क्यों चल रही थी?

टीटी नगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार सोमवार की सुबह करीब दस बजे बाणगंगा चौराहे पर स्कूल बस ने आगे चल रही थी, तभी अचानक बस के ब्रेक फेल हो गए। टीआई सुधीर अरजरिया के अनुसार एक युवक की मौत की पुष्टि हो गई है। स्कूल का नाम बस पर उल्लेख नहीं है, उस पर सिर्फ विद्यालीय सेवा लिखा हुआ है। बताया जा रहा है कि स्कूल बस शादी समारोह के लिए बाहर भेजी गई थी। जिसकी जांच भी पुलिस कर रही है।

बीयू में पीजी की परीक्षाएं आज से सीसीटीवी कैमरे से होगी निगरानी

हमारा स्वराज। भोपाल

राजधानी भोपाल स्थित बरकतउल्ला विश्वविद्यालय (बीयू) में पीजी की दूसरे और चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं कल से शुरू होगी। एमए, एमएससी, एमकॉम, एमए इतिहास, एमएससी होम साइंस और एमए, एमएससी मैथ्स के द्वितीय और चतुर्थ सेमेस्टर की परीक्षाएं 13 और 14 मई से शुरू होकर 23 और 30 मई तक चलेंगी। दोनों परीक्षाओं में नियमित और स्वाध्यायी के करीब 40 हजार विद्यार्थी शामिल होंगे। यह परीक्षाएं एक ही पाली में पूरी होंगी। परीक्षाओं को नकल रोकने पुख्ता इंतजाम किए गए हैं।

बीयू ने सभी परीक्षा केंद्रों पर निगरानी के लिए सीसीटीवी कैमरे लगवाए गए हैं। बीयू ने सभी परीक्षा केंद्रों को निर्देशित किया है कि वे सीसीटीवी की फुटेज को एक साल तक सुरक्षित रखेंगे,ताकि गड़बड़ी होने पर उसका परीक्षण किया जा सके। कोई भी गड़बड़ी होने पर यदि उनके पास सीसीटीवी की फुटेज नहीं मिलती है, तो उनके परीक्षा केंद्रों को निरस्त किया जा सकता है।

आठ जिलों में 57 परीक्षा केंद्र बनाए

विश्वविद्यालय ने सेमेस्टर परीक्षाओं के लिए 8 जिलों में 57 केंद्र तैयार किए हैं। बीयू की परीक्षाओं में 40 हजार विद्यार्थी शामिल होंगे। इसमें नियमित विद्यार्थी 35 हजार और करीब 5 हजार विद्यार्थी स्वाध्यायी के रूप में शामिल होंगे। उक्त दोनों सेमेस्टर के विद्यार्थी सुबह 9 से दोपहर 12 बजे तक की एकल पाली में परीक्षा देंगे। परीक्षा के लिए भोपाल जिले में 9 केंद्र बनाए गए हैं। यहां दूसरे सेमेस्टर की परीक्षाएं 13 से 30 मई तक चलेंगी। चौथे सेमेस्टर की परीक्षाएं 23 मई तक चलेंगी। पूर्व में हुई प्रथम और तीसरे सेमेस्टर परीक्षाओं में उड़नदस्तों ने काफी नकल प्रकरण बने थे, इसलिए दूसरे और चौथे सेमेस्टर की परीक्षाओं के लिए चार उड़नदस्ते तैयार करेगा, ताकि निगरानी बढ़ाई जा सके और परीक्षाओं में नकल प्रकरण को रोका जा सके।

शिल्प ग्राम महोत्सव के समापन पर राज्यपाल बोले-

जनजातीय कला हमारी धरोहर

हमारा स्वराज। भोपाल

भोपाल में आयोजित तीन दिवसीय शिल्प ग्राम महोत्सव के समापन समारोह में राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने जनजातीय कला, शिल्प को लोक संस्कृति की अनमोल धरोहर बताया। उन्होंने कहा कि यह हमारी लोक संस्कृति की अनमोल धरोहर है, जिसे संरक्षित करना और प्रोत्साहित करना समाज का दायित्व है। राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने शिल्प ग्राम महोत्सव के समापन समारोह में जनजातीय समुदाय की कला और संस्कृति के महत्व को बताया। उन्होंने कहा कि जनजातीय समुदाय ने सदियों से खान-पान, लोक कलाएं, शिल्प, वस्त्र, आभूषण, उपकरण और चिकित्सा पद्धतियों के रूप में हमारी अनमोल धरोहर को संरक्षित किया है। राज्यपाल ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने जनजातीय समुदाय के विकास और खुशहाली के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हैं।

उन्होंने 'धरती आबा जनजातीय ग्राम उत्कर्ष अभियान' के तहत जनजातीय आबादी के लिए समान अवसरों के सृजन, सामाजिक-आर्थिक स्तर को उठाने, स्वास्थ्य, शिक्षा, बुनियादी ढांचे में सुधार और आजीविका के कार्यों की सराहना की।

राज्यपाल ने सिकल सेल बीमारी के उन्मूलन के लिए भी सरकार की पहल की सराहना की। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने जनजाति समुदाय की आनुवंशिक बीमारी सिकल सेल को वर्ष 2047 तक समाप्त करने का संकल्प लिया है। उन्होंने समुदाय से आग्रह किया कि वे इस दिशा में सक्रिय रूप से योगदान दें।

जनजातीय कार्य मंत्री डॉ. कुंवर विजय शाह ने कहा कि मध्य प्रदेश ने जनजातीय कला-शिल्प, संस्कृति-सभ्यता, रीति-रिवाज और मान्यताओं-परंपराओं के संरक्षण और भावी पीढ़ी में हस्तांतरण की सार्थक पहल की है। शीघ्र ही हरसूद में 100 सीटर बालिका-बालक प्रशिक्षण केंद्र प्रारंभ किया जाएगा, जिसमें जनजातीय समुदाय के शिल्पकारों को प्रशिक्षण दिया जाएगा। आयुक्त जनजातीय कार्य श्रीमन शुक्ला ने महोत्सव की जानकारी देते हुए बताया कि परंपरा को डिजाइन का साथ मिलता है तो वह आजीविका और आत्मनिर्भरता का प्रतीक बन जाता है।

20 करोड़ की लागत से होंगे निर्माण कार्य

गोविंदपुरा में बनेगा स्विमिंग पूल और ऑडिटोरियम

हमारा स्वराज। भोपाल

गोविंदपुरा क्षेत्र को आधुनिक सुविधाओं से लैस करने की दिशा में बड़ा कदम उठाया गया है। मध्य प्रदेश सरकार की पिछड़ा वर्ग एवं अल्पसंख्यक कल्याण राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) कृष्णा गौर ने सोमवार को कहा कि गोविंदपुरा में केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के पास 20 करोड़ रुपए की लागत से एक अत्याधुनिक स्विमिंग पूल और ऑडिटोरियम का निर्माण किया जाएगा। यह निर्माण केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय के पास किया जाएगा और कार्य को शीघ्र शुरू करने के निर्देश भी दिए जा चुके हैं। राज्यमंत्री कृष्णा गौर सोमवार को क्षेत्रीय दौरे पर थीं, जहां उन्होंने गोविंदपुरा की विभिन्न कॉलोनियों में जाकर रहवासियों की समस्याएं सुनीं और मौके पर ही संबंधित अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए। उन्होंने बताया कि स्विमिंग पूल और ऑडिटोरियम को पहले ही स्वीकृति मिल चुकी है और इनका निर्माण तय समयसीमा में पूरा किया जाएगा।

गौर ने रजत विहार कॉलोनी में रहवासियों से चर्चा की और दानिश नगर से भेल संगम चौराहा तक स्ट्रीट लाइट्स लगाने तथा कम्यूनिटी हॉल में अतिरिक्त कक्षों के निर्माण के निर्देश दिए। वहीं, अग्रवाल नगर में सीवेज नेटवर्क सुधार और सड़क मरम्मत की समस्याओं पर भी गंभीरता से विचार कर त्वरित कार्यवाही के आदेश दिए गए।

कुंजन नगर फेस-1, सुरेन्द्र गार्डन कॉलोनी, न्यू बागसेवानिया, अमरई, एमराल्ड पार्क और साकेत नगर जैसे क्षेत्रों में भी मंत्री ने लोगों से सीधे संवाद किया। इन स्थानों पर पेयजल संकट, सीवेज लाइन, नालियों की सफाई, पार्क विकास, ओपन जिम, योगा हॉल और लाइब्रेरी जैसी कई स्थानीय समस्याओं पर तत्काल कार्रवाई के निर्देश अधिकारियों को दिए गए।

नई सब्जी मंडी का निरीक्षण

श्रीमती गौर ने बागसेवानिया क्षेत्र में तैयार हो चुकी नई सब्जी मंडी का निरीक्षण भी किया और निर्देश दिए कि इसे पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बाबूलाल गौर जी की जयंती 2 जून को जनता के लिए खोला जाए। उन्होंने कहा कि इससे सड़कों पर लगने वाली अस्थायी सब्जी मंडियों को नियंत्रित किया जा सकेगा और ट्रैफिक व्यवस्था भी सुधरेगी।

जनसंवाद से बनेगा मजबूत प्रशासन

राज्यमंत्री गौर का यह दौरा जनसंवाद की दिशा में एक मजबूत प्रयास माना जा रहा है, जिसमें उन्होंने जनता की समस्याएं न केवल सुनीं बल्कि उन्हें सुलझाने की दिशा में तत्परता भी दिखाई। उन्होंने कहा कि सरकार की प्राथमिकता है कि विकास योजनाओं का लाभ सीधे आमजन तक पहुंचे और हर मोहल्ला, हर गली में मूलभूत सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं।

मंडल रेल चिकित्सालय, भोपाल में मनाया इंटरनेशनल नर्सेस डे

हमारा स्वराज। भोपाल

पश्चिम मध्य रेलवे के भोपाल मंडल में अंतरराष्ट्रीय नर्सेस डे को बड़े ही श्रद्धा, सम्मान और उत्साह के साथ मनाया गया। कार्यक्रम की अध्यक्षता मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ. अजय डोगरा ने की, जबकि आयोजन का संचालन मुख्य नर्सिंग अधिकारी श्रीमती ललिता लाल के नेतृत्व में किया गया। इस वर्ष की थीम 'नर्सेसः एक नेतृत्व की आवाज – गुणवत्ता प्रदान करना, समानता सुनिश्चित करना' के अंतर्गत कार्यक्रम का केंद्र बिंदु नर्सिंग पेशे की महत्ता, नेतृत्व में उनकी भूमिका और स्वास्थ्य क्षेत्र में उनके समर्पण को उजागर करना रहा।वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. प्रॉमिस जैन ने क्रिटिकल केयर के विषय पर विस्तृत जानकारी दी और बताया कि गंभीर रोगियों की देखभाल में नर्सिंग स्टाफ की सूझबूझ, तत्परता और प्रशिक्षण कितनी अहम भूमिका निभाता है।

सम्पादकीय

अपनी शर्तों पर ही शांति की पहल

पहलगाम आंतकी हमले के बाद तेजी से बदले घटनाक्रम के चलते 'ऑपरेशन सिंदूर' शुरू होते ही पाक स्थित बहावलपुर, मुरीदके व मुजफ्फराबाद में आतंकी ठिकानों को सेना ने मिट्टी में मिला दिया। फिर एक बार भारतीय सेना प्रोफेशनल मानकों पर खरी उतरी। जिसमें वायुसेना-नौसेना की महत्वपूर्ण भूमिका रही। 'ऑपरेशन-सिंदूर' की कामयाबी से बौखालए पाक ने एलओसी समेत कई शहरों पर हमले किये, जिसे हमारे प्रतिरक्षातंत्र ने विफल किया। विदेशी डिफेंस सिस्टम के साथ मिलाकर बनायी गई कई परतों वाली प्रतिरक्षा प्रणाली ने पाकिस्तान के तमाम हमले विफल कर दिए। तमाम विदेशी रक्षा विशेषज्ञों ने इस प्रणाली की मुक्त कंठ से प्रशंसा की। भारत के मारक हमलों के सामने असहाय पाकिस्तान ने अमेरिका, सऊदी अरब व चीन जैसे देशों से सीज़ फायर के लिये गुहार लगायी। लेकिन भारत ने अपनी शर्तों पर सीज़ फायर पर सहमति जतायी। साथ ही साफ किया कि भविष्य में कोई आतंकी घटना देश में होती है तो उसे युद्ध के तौर पर लिया जाएगा। प्रधानमंत्री ने दो टूक शब्दों में कहा कि सीमा पार से यदि कोई गोली चली तो उसका जवाब गोले से दिया जाएगा। सीज़ फायर के लिये प्रयास कर रहे अमेरिका को भी यह स्पष्ट कर दिया गया। वहीं दूसरी ओर विपक्ष लगातार कहता रहा कि इस मामले में तीसरे देश की भूमिका कतई स्वीकार नहीं की जाए। अमेरिकी राष्ट्रपति के कश्मीर में मध्यस्थता के कथन को भी सिरे से खारिज किया गया। उल्लेखनीय है कि न्यूयार्क टाइम्स की एक खबर के अनुसार प्रधानमंत्री ने अमेरिकी उप राष्ट्रपति जेडी वेंस को साफ बताया था कि पाकिस्तान की किसी भी हरकत की प्रतिक्रिया विनाशकारी साबित हो सकती है। निस्संदेह, भारत की सटीक कार्रवाई और पाकिस्तान के हमलों को विफल बनाने से दुनिया में स्पष्ट संदेश गया कि भारत एशिया की एक बड़ी शक्ति है। यह भी कि भारत अपनी सुरक्षा को लेकर न केवल सतर्क है बल्कि पाकिस्तानी हमलों को विफल बनाने की ताकत भी रखता है। भारतीय सेनाओं का उत्कृष्ट प्रदर्शन इसकी मिसाल है। आधुनिक तकनीक व मजबूत प्रतिरक्षा तंत्र के बूते भारत पाक के सैन्य प्रतिष्ठानों, हवाई अड्डों व प्रतिरक्षा प्रणाली को करारी चोट देने में सफल हुआ। पाक को इसकी बड़ी कीमत चुकानी पड़ी। वहीं उसके मित्र तुर्की व चीन द्वारा दिए गए हथियारों, ड्रोन व प्रतिरक्षा प्रणाली को भारतीय सेनाओं ने नेस्तनाबूद कर दिया। हमने दुनिया को बताया कि हम अपनी संप्रभुता और नागरिकों की सुरक्षा से कोई समझौता नहीं करेंगे। वहीं यदि पाकिस्तान ने फिर आतंकवादियों को मदद-हथियार देकर भारत पर हमले करवाये तो उसकी हर हरकत का जवाब पहले से ज्यादा ताकतवर होगा। हालांकि, शनिवार को हुए समझौते के कुछ ही घंटों के बाद सीज़ फायर के अतिक्रमण ने बता दिया कि पाकिस्तान में चुनी हुई सरकार के बजाय सेना ही समांतर रूप से सत्ता चला रही है। जिसे भारत-पाक के बीच शांति पसंद नहीं है।

युद्धविराम के आगे की चुनौतियां

भारत और पाकिस्तान के बीच एक समझौता हो गया और दोनों पक्षों ने संघर्ष विराम की घोषणा कर दी। हालांकि ऐसी खबरें हैं कि पाकिस्तान ने शनिवार की रात संघर्ष विराम की शर्तों का उल्लंघन किया लेकिन उम्मीद यही है कि हालात सुधरेंगे और सीमावर्ती क्षेत्रों में नागरिक अपने घरों को वापस लौट सकेंगे। दोनों देशों के नेतृत्व की सराहना होनी चाहिए कि आखिर उन्होंने मेलमिलाप किया। अगर संघर्ष लंबा छिड़ता तो यह किसी के पक्ष में नहीं होता। बहरहाल अब जबकि दोनों पक्ष हालात का जायजा लेने के लिए वापस लौट चुके हैं तो यह भी ध्यान देने लायक है कि 22 अप्रैल के आतंकी हमले से काफी कुछ बदल चुका है। उस हमले में एक नेपाली नागरिक समेत 26 लोगों की जान गई थी। भारत ने यह स्पष्ट कर दिया है कि अब वह ऐसे कदमों को बर्दाश्त नहीं करेगा। अपनी प्रतिक्रिया में भारत ने सैन्य उपायों के अलावा कूटनीतिक उपाय भी अपनाए। भारत ने सिंधु जल समझौते को स्थगित कर दिया। 7 मई को भारत ने जो सैन्य कार्रवाई की वह नपी-तुली, सटीक निशाने पर और गैर उकसावे वाली थी। भारत ने 9 स्थानों पर आतंकी अधोसंरचना को निशाना बनाया। न तो किसी सैन्य परिसंपत्ति को नुकसान पहुंचाया गया और न ही नागरिकों को। हालांकि, पाकिस्तान ने सैन्य और नागरिक स्थानों पर गोलाबारी शुरू कर दी जिससे परिसंपत्ति का भी नुकसान हुआ और जानें भी गईं। पाकिस्तान हालात को भड़काना क्यों चाहता है इसे समझना मुश्किल नहीं है। पहलगाम हमलों के पीछे का इरादा यही था कि भारत के साथ तनाव बढ़ाया जाए। अन्य बातों के अलावा इससे पाकिस्तान सरकार और सैन्य नेतृत्व को अपनी स्थिति मजबूत बनाने का मौका मिलता और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी वह ध्यान आकर्षित करने में कामयाब रहता। यह देखना होगा कि पाकिस्तानी नेतृत्व किस हद तक, खासकर सैन्य मामले में इन लक्ष्यों को पाने में कामयाब रहा। पहलगाम हमलों पर भारत की प्रतिक्रिया ने जरूर उसे चौंकाया होगा और उम्मीद की जानी चाहिए कि यह एक डर या प्रतिरोधक का काम करेगी। इसके बावजूद, यह माना सही नहीं होगा कि पाकिस्तान आतंकवाद को मदद पहुंचाना बंद कर देगा।

आतंक पर पाक को कड़ी चेतावनी देते रणनीतिक बदलाव

ले.जन. डीएस हुड्डा (से.नि.)
स्तम्भ लेखक

ऑपरेशन सिंदूर उद्दंड पड़ोसी से निबटने में भारत की रणनीति में महत्वपूर्ण बदलाव का संकेत है। जिसका पहला बिंदु, देश के बाहर से आतंकी हमले के जवाब में सीमापार कड़ी सैन्य कार्रवाई करना है। यह पाकिस्तानी सेना को तय करना है कि सैन्य-जिहाद परिसर खत्म करे या फिर विनाशक संघर्ष भुगते। तीन दिन चले ऑपरेशन सिंदूर से स्पष्ट हुआ कि अब फोकस सबूत सौंपने पर नहीं, बल्कि आतंकी नेटवर्क तोड़ने पर है।

छह-सात मई की रात, भारत ने ऑपरेशन सिंदूर शुरू किया, जिसमें पाकिस्तान में आतंकवादी ढांचे के खिलाफ श्रृंखलाबद्ध सैन्य हमले किए गए। नौ आतंकी शिविरों को निशाना बनाया, जिनमें से पांच पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में और चार उसके पंजाब प्रांत में थे। सबसे महत्वपूर्ण लक्ष्यों में मुरीदके और बहावलपुर रहे। लाहौर के नजदीक मुरीदके लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) और उसके प्रमुख संगठन जमात-उद-दावा का मुख्यालय है। द रेजिस्टेंस फ्रंट (टीआरएफ), जिसने पहलगाम नरसंहार की जिम्मेदारी ली, एलईटी से संबंधित बताया जाता है। बहावलपुर जैश-ए-मोहम्मद का गढ़ है। इसके बाद दो दिन और यह ऑपरेशन चला जिसमें दोनों ओर से सीमा पर गोलाबारी हुई। भारत ने दुश्मन के कई शहरों पर मिसाइलें गिराई वहीं पाक की ओर से भी ऐसी कोशिशें हुई। अब 10 मई को सीजफायर का ऐलान हुआ।

ऑपरेशन सिंदूर 2016 और 2019 में सीमा पार किए गए सैन्य हमलों की तुलना में – पैमाने और दायरे में – काफी बड़ा रहा। इसका संदेश कहीं अधिक तगड़ा और स्पष्ट है। जिसमें, पाकिस्तान से निबटने के लिए भारत की भविष्य की रणनीति में किए गए कुछ महत्वपूर्ण बदलाव झलकते हैं।

प्रथम, बड़े आतंकी हमलों का दंडात्मक प्रतिकर्म होगा। चूंकि 2016 और 2019 के सीमित हमले पाकिस्तान द्वारा आतंकवाद को एक औजार की भांति इस्तेमाल किए जाने वाली अपनी राष्ट्रीय नीति त्यागने में असरदार नहीं रहे, इसलिए उन लोगों को दर्द महसूस करवाना जरूरी बन गया, जो आतंकवादी करतूतों को नियंत्रित कर रहे हैं। यदि पाकिस्तानी सेना आतंकवादी नेतृत्व पर लगाम लगाने को तैयार नहीं, तो भारत सैन्य संसाधन का उपयोग करके ऐसा करेगा। भारत ने रणनीतिक और सामरिक कारणों से लंबे समय तक संयम मुद्रा अपनाए रखी। हालांकि, बदलते सुरक्षा परिवेश, विशेषतः पहलगाम हमले ने, पुनर्संतुलन में उत्प्रेरक का काम किया। 6-7 मई की रात बहावलपुर और मुरीदके जैसी अंदरूनी जगहों को निशाना बनाना संकेत है कि भारत अब सरसरी जवाबी कार्रवाई पर्याप्त नहीं मानता। नया दृष्टिकोण सीमा पार से आतंकवाद को बढ़ावा देने वालों के लिए लागत-लाभ वाली गणना बदलने का प्रयास करता है।

ऑपरेशन सिंदूर के बाद सरकार के प्रवक्ता द्वारा दी गई प्रस्तुति में, सीमा पार से चलाए जा रहे आतंकवाद से हुई क्षति को रेखांकित करने के वास्ते पिछले आतंकी हमलों (2001 में संसद पर हमले से लेकर मुंबई 2008, उड़ी 2016, पुलवामा 2019 और पहलगाम हमले) का लेखा-जोखा दिखाया गया, जिसके अंत में 'अब और नहीं' स्क्रीन पर चमका। भले ही यह प्रस्तुति नाटकीय दिखाई दे, लेकिन यह भारत के संकल्प को रेखांकित करती है कि वह पाकिस्तानी धरती से निकल रहे आतंकवाद को और बर्दाश्त नहीं करेगा।

द्वितीय, सीजफायर के बाद पाकिस्तानी सेना के सामने दो विकल्प हैं। या तो वह स्वयं द्वारा लंबे समय से पोषित सैन्य-जिहाद परिसर को खत्म करे या फिर देश को भारत के साथ विनाशकारी संघर्ष में डुबाने का जोखिम उठाए। जो पाकिस्तान को और अधिक अस्थिरता और संकट में धकेल सकता है। दशकों से, पाकिस्तानी सेना ने जिहादी समूहों को अपनी रणनीतिक संपत्ति के रूप में माना है, उनका उपयोग भारत को जख्म देने के लिए किया जाता है, जबकि आधिकारिक रूप से इनकार करता है। ऑपरेशन सिंदूर के जरिए भारत वे स्पष्ट किया कि राज्य और उसके द्वारा प्रायोजित छद्म स्वरूपों के बीच कोई अंतर नहीं है। पाकिस्तान में कई अंदरूनी जगहों को निशाना बनाकर भारत ने संकेत दे दिया है कि सुरक्षित पनाहगाहें भी अब उतनी सुरक्षित नहीं रही।

प्रेस ब्रीफिंग में 6-7 मई की कार्रवाई पर विदेश सचिव विक्रम मिसरी ने कहा कि भारत की 'कार्रवाई नपी-तुली, चीजों को और आगे न भड़काने वाली, आनुपातिक और जिम्मेदाराना थी। इसके निशाने का केंद्र आतंकवादी ढांचे को नष्ट करना और भारत में भेजे जाने वाले आतंकवादियों को निष्क्रिय करना था'। यह पाकिस्तान के लिए संदेश था कि अगर वह किसी भी सैन्य जवाबी कार्रवाई से परहेज करे और आतंकवादी गतिविधियों पर लगाम लगाने के दीर्घकालीन उपाय करे, तो बढ़ते तनाव को नियंत्रित किया जा सकता है। हालांकि पाकिस्तानी सेना ने प्रतिक्रिया में युद्ध जैसे हालात रखे, जिसकाभारतीय सेना ने माकूल जवाब दिया।

तृतीय, भारत इस बारे स्पष्ट है कि परमाणु युद्ध की नौबत बनने से जरा पहले तक, सीमित पारंपरिक संघर्ष के वास्ते गुंजाइश मौजूद है। जब भी भारत-पाकिस्तान संकट बनता है, तो पाकिस्तान सबसे पहले अपना परमाणु कार्ड लहराने लग जाता है। मंत्री हनीफ अब्बासी ने कहा कि अगर भारत सिंधु जल संधि को निलंबित करके पाकिस्तान को पानी की आपूर्ति रोकता है, तो इस्लामाबाद परमाणु हथियारों से हमला करने को तैयार रहेगा।

जंग खत्म हो फिर भी वर्षों रोती है ज़िंदगी

टीवी स्क्रीन या मोबाइल स्क्रीन पर युद्ध कितना रोमांचक लगता है। ये मारा और वो मारा कहते हुए हम कितने खुश होते हैं। हमारे लिए जैसे युद्ध भी कोई वीडियो या मोबाइल गेम है। चैनल्स को लें तो वह टीआरपी बढ़ाने वाला और पैसा कमाने का साधन भी है। सुना गया था कि इस दौरान चैनल्स ने अपने यहां चलाए जाने वाले विज्ञापनों के दाम में भारी बढ़ोतरी की थी। वर्ष 1965, 1971, 1999 और अब 2025 के युद्धों में आखिर हमें क्या मिला। सिवाय कोरे आश्वासनों के। इंदिरा जी को लोग इन दिनों बहुत याद कर रहे हैं। लेकिन 1971 में उन्हें भी तिरानवे हजार सैनिकों को वापस करना पड़ा था। आखिर इन सैनिकों को अंतर्राष्ट्रीय मानदंडों के अनुसार ही सुविधाएं देनी पड़ती हैं। इन युद्धों में जो लोग मारे गए थे, जिनके बारे में कहा गया था कि जब तक सूरज-चांद रहेगा, तब तक तेरा नाम रहेगा। शहीदों की चिताओं पर लगेंगे हर बरस मेले आदि बातें हमें कितने दिन याद रहीं। क्या चार-छह सैनिकों के नाम भी हमें याद हैं। दरअसल तो लड़ाई में कोई हारे-जीते, इसका सबसे बड़ा प्रभाव उन लोगों पर पड़ता है, जिनके परिवार के सदस्य इसमें मारे जाते हैं। जिन माता-पिताओं के जवान बच्चे युद्ध में मारे जाते हैं, वे माता-पिता, पत्नी, बच्चे परिजन जीवन भर इस दुःख को भोगने के लिए अभिशप्त रहते हैं। वह सैनिक हेमराज तो याद ही होगा जिसका सिर पाकिस्तान द्वारा काट लिया गया था। उस समय लोगों ने उसकी पत्नी के प्रति बहुत सहानुभूति प्रकट की थी। लेकिन बाद में पता चला था कि वह महिला वर्षों तक मुआवजे के लिए दर-दर भटकती रही थी। ऐसा ही न जाने कितने परिवारों के साथ होता होगा। न जाने कितने लोग मरते हैं और न जाने कितने बुरी तरह से घायल होते हैं। औरतें और बच्चे आज से ही नहीं, हमेशा से युद्धों का सबसे बुरा शिकार होते रहे हैं। आक्रांता जब आते थे, तो या तो महिलाओं को साथ उठा ले जाते थे, या उनके साथ बलात्कार करके उन्हें मार दिया जाता था। बच्चों की हत्या कर दी जाती थी, क्योंकि जिन पर आक्रमण करने आए हैं उनका समूल नाश करना होता था। औरतें शायद ही किसी पर युद्ध थोपती हैं, मगर उन पर हमेशा युद्ध थोप दिया जाता है। चार दिन की इस लड़ाई में कहा जा रहा है कि इसमें दो सौ के करीब लोग मारे गए हैं। जिनमें सैनिक तो हैं ही, आम नागरिक और बच्चे भी शामिल हैं। इन नागरिकों ने, बच्चों ने यहां तक कि सैनिकों ने किसी लड़ाई को दावत नहीं दी थी। कुछ दिन पहले एक वीडियो देख रही थी, जिसमें एक पत्नी दो दिन पहले हुई शादी के बाद, पति को मोर्चे पर भेजने से पहले कह रही थी-अपना सिंदूर भेज रही हूं। उसके चेहरे पर छाई उदासी और शून्य में देखती आंखें बहुत कुछ कह रही थीं।

टाइगर रिजर्व में बाघिन ने दिया चार शावकों को जन्म

हमारा स्वराज । सागर

मध्यप्रदेश के सबसे बड़े टाइगर रिजर्व वीरांगना रानी दुर्गावती (नौरादेही) टाइगर रिजर्व से खुशखबरी सामने आई है। जहां पर बाघिन N-112 ने चार शावकों को जन्म दिया है। शावक जंगल में देखे गए हैं। वे करीब 15 से 20 दिन के हैं। टाइगर रिजर्व प्रबंधन ने यह जानकारी जारी की है। शावकों की सूचना मिलने के बाद सुरक्षा के लिहाज से उनकी निगरानी बढ़ा दी गई है।

इन चार नए शावकों के बाद वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या 23 पहुंच गई है। खास बात ये है कि मदर ऑफ नौरादेही कही जाने वाली बाघिन राधा अब नानी बन गई है। बाघिन राधा की पहली संतान ने दोबारा 4 शावकों को जन्म दिया है।

सभी शावक स्वस्थ : टाइगर रिजर्व की सर्च टीम ने नए शावकों की फोटो खींची है। सभी शावक स्वस्थ बताए जा रहे हैं। नौरादेही टाइगर रिजर्व प्रबंधन के अनुसार, शावकों की सुरक्षा बढ़ाई गई है। फिलहाल बाघिन N-112 अपने शावकों के साथ नजर आ रही है। बाघिन N-112 ने दूसरी बार चार शावकों को जन्म दिया है। जिनमें से तीन बाघिन और एक बाघ है। प्रबंधन ने बताया कि टाइगर रिजर्व की पहली बाघिन राधा ने पहली बार नौरादेही में वर्ष 2019 में 3 शावकों को जन्म दिया था। जिनमें दो मादा और एक नर था। बाघिन राधा की ही बाघिन N-112 बेटी है।

दूसरी बार चार शावकों को जन्म दिया

नौरादेही टाइगर रिजर्व के डिप्टी डायरेक्टर डॉ. एए अंसारी ने बताया कि कुछ दिन पहले गश्ती दल को कुछ शावक नजर आए थे। जिसके बाद जानकारी जुटाने के लिए रेंजर के साथ सर्च टीम का गठन किया। सर्च टीम ने हाथियों की मदद से जंगल में छानबीन की। इसी दौरान बाघिन N-112 अपने चार शावकों के साथ देखी गई। सर्च टीम ने ही बाघिन N-112 की अपने शावकों के साथ फोटो ली है। ये शावक करीब 15 से 20 दिन के नजर आ रहे हैं। इसके पहले भी N-112 बाघिन ने चार शावकों को जन्म दिया था जो करीब 22 महीने तक साथ रहे थे।

रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व में बाघों की संख्या 23

देवरी बस स्टैंड पर नशे में हुआ था विवाद, जमीन पर पटककर सिर कुचला

युवक की हत्या करने वाला बस क्लीनर गिरफ्तार

हमारा स्वराज । सागर

सागर जिले के देवरी में 10 मई को एक युवक की सिर कुचलकर हत्या कर दी गई थी। पुलिस ने इस मामले में तेजी से जांच करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी बस में क्लीनर का काम करता है और हत्या से पहले मृतक से उसका विवाद हुआ था। देवरी थाना पुलिस के अनुसार, घटना 10 मई की रात की है। देवरी बस स्टैंड स्थित मीट मार्केट के पास एक गुमटी के पीछे अर्धनग्न अवस्था में एक युवक का शव मिला था। सिर पर गंभीर चोटों के निशान थे, जिससे साफ हुआ कि उसकी पत्थर से कुचलकर हत्या की गई है। शव की पहचान कंछेदी पिता नन्हेंलाल गौंड (35), निवासी बाजार वार्ड देवरी के रूप में हुई। पुलिस ने हत्या का प्रकरण दर्ज कर जांच शुरू की।

सीसीटीवी से मिला सुराग

पुलिस ने बस स्टैंड परिसर में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली तो उसमें एक संदिग्ध व्यक्ति नजर आया। जिसके आधार पर उसकी तलाश की गई। जांच आगे बढ़ी और आरोपी की पहचान पूरन यादव (32), निवासी दमोह के रूप में हुई। आरोपी को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई तो उसने हत्या करना कबूल कर लिया। पूछताछ में सामने आया कि पूरन यादव बस स्टैंड पर बस में क्लीनर का काम करता है। घटना की रात उसका मृतक कंछेदी से झगड़ा हो गया था। झगड़े में कंछेदी ने पहले मारपीट की थी। गुस्से में आकर पूरन ने उसे जमीन पर गिराया और पास पड़ा पत्थर उठाकर सिर पर पटक दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

देवरी थाना प्रभारी मीनेष भदौरिया ने बताया कि बस स्टैंड पर मृतक और आरोपी के बीच विवाद हुआ था। मृतक नशे का आदी था। मामले में गिरफ्तार आरोपी को न्यायालय में पेश किया गया है।

रेलवे ट्रैक पर मिला बुजुर्ग का शव

हमारा स्वराज । सीहोर

सीहोर जिले के बुधनी क्षेत्र में रेलवे ट्रैक पर एक बुजुर्ग का शव मिला है। मृतक की पहचान वार्ड नंबर 12 निवासी तुलाराम जाटव (60) के रूप में हुई है। स्थानीय लोगों ने रेलवे ट्रैक पर शव देखा और तुरंत पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस टीम मौके पर पहुंच गई।

बुधनी के एसडीओपी रवि शर्मा के अनुसार, मृतक तुलाराम जाटव बुधनी थाना क्षेत्र के माना गांव का रहने वाला था। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। फिलहाल यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि यह मामला दुर्घटना का है या आत्महत्या का। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामले की जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार सीहोर जिले के बुधनी क्षेत्र में आज एक व्यक्ति की ट्रेन की चपेट में आने से मौत हो गई है।

सूचना मिलने के बाद पुलिस मौके पर पहुंच गई है और व्यक्ति की पहचान कर ली गई है बताया गया है कि पुलिस ने अभी मर्ग कायम कर जांच शुरू की है। यह ज्ञात नहीं हो सका है कि यह हादसा है या आत्महत्या है।

बताया गया है कि लोगों ने एक व्यक्ति की लाश रेलवे ट्रैक पर देखी तो इसकी सूचना तत्काल पुलिस को दी जिसके बाद पुलिस मौके पर पहुंची है और जांच कर रही है। एसडीओपी रवि शर्मा ने बताया कि तुलाराम जाटव उम्र लगभग 60 साल निवासी माना थाना बुदनी जिला सीहोर मृतक है।

शादी में जा रहे युवक की मौत

हमारा स्वराज । सागर

सागर में रहली थाना क्षेत्र के पांचमील चौराहे के पास बाइक सवार को अज्ञात वाहन ने टक्कर मार दी। दुर्घटना में आई चोटों से बाइक सवार की मौत हो गई। मृतक रिश्तेदार के घर शादी समारोह में शामिल होने के लिए जा रहा था। घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और सोमवार को शव का पोस्टमार्टम कराया। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

जानकारी के अनुसार, देवी पिता गुलजार सींग गौंड उम्र 45 साल निवासी आलापुर (दमोह) रविवार रात बाइक से अपने रिश्तेदार के घर शादी समारोह में शामिल होने के लिए ग्राम नरसिंह पिपरिया जा रहा था। इसी दौरान सागर-रहली मार्ग पर स्थित पांच मील चौराहे के पास अज्ञात वाहन ने बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर में देवी सिंह गंभीर घायल हुआ। राहगीरों ने घटना देखी तो पुलिस और एंबुलेंस को सूचना दी। एंबुलेंस की मदद से घायल को रहली अस्पताल पहुंचाया गया। डॉक्टर ने चेकअप के वाहन देवी सिंह को मृत घोषित कर दिया।

परिजन को नहीं मिली शव वाहिनी : घटना की सूचना पर पुलिस मौके पर पहुंची और शव का पंचनामा बनाया। सोमवार को शव का पोस्टमार्टम कराकर परिवार वालों को सौंप दिया गया। परिवार वालों ने अस्पताल में शव ले जाने के लिए शववाहिनी की मांग की। लेकिन नहीं मिली। जिसके बाद उन्होंने रहली नगर पालिका के अधिकारी से बात की। जिसमें उन्होंने कहा कि नगर पालिका की शववाहिनी खराब है। ऐसे में परिवार वाले मजबूरन किराए की गाड़ी करके शव को लेकर अपने घर आलापुर रवाना हुए। इस दौरान परिवार के पास शववाहिनी का किराया देने के रुपए नहीं थे जो उन्होंने रिश्तेदारों से उधार लिए।

ट्रैक्टर से टकराई बाइक, भाई-बहन समेत तीन घायल

हमारा स्वराज । रायसेन

रायसेन के भोपाल रोड एनएच 146 पर सोमवार सुबह 9 बजे एक दुर्घटना हुई। भोपाल से आ रही बाइक गेहूं से भरी ट्रैक्टर-ट्राली से टकरा गई। टक्कर इतनी तेज थी कि बाइक सवार तीन लोग उछलकर दूर जा गिरे। सैंडोरा चौकी प्रभारी हरिओम आस्थाया ने बताया कि ट्रैक्टर-ट्राली में कुछ खराबी आ जाने के कारण वह रोड के किनारे खड़ी थी। बाइक पर सवार अभिषेक, उसकी बहन और एक बच्चा भोपाल की ओर से आ रहे थे। दुर्घटना में अभिषेक का पैर टूट गया। घायलों को 108 एम्बुलेंस की मदद से जिला अस्पताल भेजा गया है। सभी की हालत स्थिर बताई जा रही है।

कार बिजली के खंभे से टकराई

हमारा स्वराज । रायसेन/ सलामतपुर

भोपाल-विदिशा स्टेट हाईवे-18 पर कुलहाड़िया मोड़ के पास शनिवार देर रात एक तेज रफ्तार कार अनियंत्रित होकर बिजली के खंभे से टकरा गई। टक्कर इतनी जोरदार थी कि खंभा टूटकर सड़क पर गिर गया और 33 केवी की हाई वोल्टेज लाइन के तार हाईवे पर फैल गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने तत्परता और सूझबूझ का परिचय देते हुए तुरंत वाहनों की आवाजाही रुकवाई। बिजली विभाग से संपर्क कर सप्लाई बंद करवाई।

इसके बाद तारों को सुरक्षित एक ओर करवाया गया, जिससे एक बड़ा हादसा होने से टल गया। हादसे में कार चालक को मामूली चोट आई है। सलामतपुर पुलिस की त्वरित कार्रवाई से किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। स्थिति पर समय रहते नियंत्रण पा लिया गया।

2568वीं बुद्ध पूर्णिमा पर चैतगिरी बिहार में विशेष पूजा

सांची में श्रद्धालुओं ने किया भगवान बुद्ध को नमन

हमारा स्वराज । रायसेन

सांची के विश्वप्रसिद्ध चैतगिरी बिहार मंदिर में सोमवार को बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर चैती गिरी बिहार मंदिर में बुद्ध वंदना के साथ पूजा अर्चना की गई। श्रद्धालुओं ने मंदिर में पहुंचकर भगवान बुद्ध के दर्शन किए। इस वर्ष श्रीलंका महाबोधि सोसाइटी का परंपरागत बुद्ध चल समारोह आयोजित नहीं किया गया। श्रीलंका महाबोधि सोसाइटी के भंते श्री रतन ने बताया कि वैशाख पूर्णिमा का दिन विशेष महत्व रखता है। इसी दिन भगवान बुद्ध का जन्म हुआ था। इसी दिन उन्हें बोधगया में ज्ञान की प्राप्ति हुई थी।मंदिर में 2568वीं बुद्ध पूर्णिमा के अवसर पर विशेष आयोजन किया गया। श्रद्धालुओं ने ध्यान और प्रार्थना की। उन्होंने बुद्ध वंदना के साथ शांति, करुणा और सत्य के मार्ग पर चलने का संकल्प लिया। सारिपुत्र और महामोग्गलान भगवान बुद्ध के प्रधान शिष्यों में प्रमुख शिष्य थे जिसमें सारिपुत्र धम्म के विशेषज्ञ माने जाते थे। उन्होंने ही अभिधम्म की परंपरा शुरू की थी। जबकि महामोग्गलान तपस्वी और तात्विक ज्ञाता थे। बौद्ध दर्शन के जानकार लोग बताते है कि मोग्गलान बाद में चलकर महामोग्गलान कहलाए क्योंकि वे धर्म उपदेश देने में सर्वश्रेष्ठ थे। भगवान बुद्ध ने अपने पीछे धर्म का उपदेश देने के लिए मोग्गलान को ही रखा था। बौद्ध साहित्य के अनुसार मोग्गलान देवलोक व ब्रह्मलोक में आते-जाते थे। उनकी प्रशंसा का उल्लेख त्रिपिटक में मिलता है। वहीं सारिपुत्र को भगवान बुद्ध ने धम्म सेनापति की पदवी से विभूषित किया था। 84 साल की आयु में सारिपुत्र और महामोग्गलान तथागत बुद्ध से पहले परिनिवृत हुए थे। सम्राट अशोक के शासनकाल से ही दोनों की देह धातु को संनिधानित कर सांची में स्तूप और विहार बनाए गए।

अज्ञात वाहन ने बाइक को मारी टक्कर, 2 की मौत

हमारा स्वराज । विदिशा

विदिशा में रविवार देर रात अज्ञात वाहन ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार दोनों युवकों की मौके पर मौत हो गई। घटना मिर्जापुर गांव स्थित निर्माणाधीन पुलिया के पास की है। मृतकों की पहचान सूखी सेवानिया निवासी मोहन शर्मा और तूफान सिंह सिसोदिया के रूप में हुई है। पुलिस ने अज्ञात वाहन चालक के खिलाफ मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। मृतक तूफान सिंह के बड़े भाई प्रभुराम सिसोदिया ने बताया कि रविवार को तूफान सिंह अपने दोस्त के साथ एक शादी में शामिल होने के लिए ग्यारसपुर गया था, देर रात वह लोग लौट रहे थे तो मिर्जापुर के पास एक गाड़ी ने उन्हें टक्कर मार दी थी , हमारे पास रात को ढाई बजे फोन आया था,तब हमें पता चला कि एक्सीडेंट हो गया है। भाई ने बताया कि तूफान सिंह के दो बच्चे हैं, जबकि मोहन शर्मा अविवाहित थे।

सीएसपी अतुल सिंह के अनुसार, देर रात मिर्जापुर के पास दो लोगों के सड़क किनारे पड़े होने की सूचना मिली। पुलिस ने दोनों को मेडिकल कॉलेज पहुंचाया। जहां डॉक्टरों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया।

सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में खाद उपलब्ध, अग्रिम खाद भंडारण की अपील

हमारा स्वराज। धार

किसानों को खरीफ की फसल में खाद के लिए परेशान ना होना पड़े इसके लिए प्रशासन व सहकारिता ने अभी से सोसायटी में खाद उपलब्ध कराया है, जिसे किसान खरीदी कर ले जा रहे है। शासन की अग्रीम खाद भण्डारण योजना अंतर्गत कलेक्टर प्रियंक मिश्रा के निर्देशानुसार जिला सहकारी केन्द्रीय बैंक धार से संबद्ध समस्त सहकारी समितियों में पर्याप्त मात्रा में रासायनिक खाद का भण्डारण किया गया है।

खरीफ सीजन में फसल बुआई के पूर्व किसान खेत तैयार करने में जुट गए हैं। इस बार जिले में सवा पांच लाख हेक्टेयर में बुआई का अनुमान है। इसके हिसाब से कृषि विभाग द्वारा कार्य योजना तैयार की गई है। इस बार सर्वाधिक ढाई लाख हेक्टेयर में सोयाबीन की बुआई की संभावना है। हालांकि सोयाबीन की बुआई मालवा क्षेत्र में अधिक होगी। जबकि निमाड़ में इस बार कॉटन का रकबा बढ़ सकता है। किसानों ने ग्रीष्मकालीन कपास की बुआई की तैयारी कर ली है। हालांकि सबसे बड़ी चिंता खाद को लेकर है। सोसायटियों से किसानों को हर साल खाद दिया जाता है, जिसका मानसून पूर्व अग्रिम उठाव होना चाहिए। लेकिन अभी तक नाममात्र खाद ही किसान लेकर गए हैं। बड़ी संया में किसान खाद लेने नहीं पहुंचे।

अग्रिम उठाव पर ब्याज में छूट

शासन की अग्रिम खाद भण्डारण योजना अंतर्गत किसानों को खाद लेने पर ब्याज में छूट मिलती है। जिले की 94 सहकारी समितियों में 28 हजार 200 मीट्रक टन खाद का भंडारण है, जिसमें से मात्र 2000 मीट्रक टन खाद का किसनों द्वारा उठाव किया गया है जो बेहद कम है। जिला सहकारी केंद्रीय बैंक धार के मुख्य कार्यपालन अधिकारी केके रायकवार ने किसानों से अपील की है कि खरीफ फसलों के लिए उपयोगी खाद का अग्रिम भडारण कर लें। ताकि सीजन के समय उन्हें कोई परेशानी का सामना नहीं करना पड़े। वर्षा प्रारंभ होते ही उर्वरकों की मांग बढ़ जाती है एवं यदि किसान सदस्यों द्वारा अपनी आवश्यकता अनुसार खाद का उठाव संस्था से कर किया जाता है तो संस्था के गोडाउन में जगह होने पर अलग से खाद रखा जा सकता है। बुआई के बाद खाद की मांग एक साथ बढ़ जाती है। ऐसी स्थिति में खाद की आपूर्ति चेन गड़बड़ा जाती है। इससे किसानों को भी परेशानी का सामना करना पड़ता है। जिले कि सभी सहकारी संस्थाओं के माध्यम से ग्रामीण क्षेत्रों में डोंडी (मुनादी) पिटवाकर किसानों को अग्रिम खाद उठाव के लिए प्रेरित किया जाएगा।

परेशान ना होना पड़े

इस संबंध में बैंक प्रशासक वर्षा श्रीवास एवं महाप्रबंधक पीएस धनवाल द्वारा किसानो से अपील की गई है कि खरीफ मौसम हेतु उनकी पात्रता के अनुसार सहकारी समितियों से तत्काल खाद उठा लेवे ताकि पीक सीजन में उन्हें कठिनाईयों को सामना नहीं करना पड़ें। उनके द्वारा यह भी बताया गया है कि जिले की सभी सहकारी समितियों से पात्र किसानों को शासन की शुन्य प्रतिशत योजनांतर्गत नगदी एवं खाद के रूप में फसल ऋण वितरण करना प्रारम्भ कर दिया गया है।

नर्सिंग डे पर केक काटकर मनाई खुशियां, दी बधाई

हमारा स्वराज। बड़वानी

जिला अस्पताल सहित महिला हॉस्पिटल में कार्यरत नर्सों, सहयोगियों और अन्य स्टाफ सदस्यों ने मिलकर सोमवार को अंतरराष्ट्रीय नर्स दिवस पर नर्सों ने फ्लोरेंस नाइटिगेल के चित्र पर माल्यार्पण किया और रोगियों के स्वस्थ जीवन की प्रार्थना की कर साथ ही केक काटकर नर्सिंग डे मनाया। साथ ही जीवनभर स्वास्थ्य कार्य लगन व निष्ठा पूर्वक करते रहने की शपथ ली। कहा कि वह सदैव रोगियों की गोपनीयता को बरकरार रखेंगी और जीवन भर रोगी की सेवा में लगी रहेंगी। फिर केक काटा और एक-दूसरे को नर्स दिवस की बधाई दी। इस मौके पर सिविल सर्जन अनिता सिंगारे ने बताया कि प्रत्येक वर्ष 12 मई को नर्स दिवस मनाया जाता है। यह दिन इटली के फ्लोरेंस में जन्मी फ्लोरेंस नाइटिंगेल को समर्पित है। उन्होंने एक नर्स के रूप में घायलों की जान बचाकर देवदूत का खिताब हासिल किया था।

नाइटिंगेल से प्रेरित होकर आज सभी नर्सें सेवा भाव से अपना कार्य कर रही हैं। सिविल सर्जन अनिता सिंगारे ने सभी नर्सो को बधाई दी साथ ही स्वल्पाहार करवा कर सभी के उज्जवल भविष्य की कामना की।

एमएच कोऑर्डिनेटर किरण दुबे ने बताया कि नर्सिंग की जननी फ्लोरेंस नाइटिगेल का जन्म 12 मई 1820 में हुआ था। उनके किये गये कार्यो व त्याग को याद कर बताये हुए रास्ते पर चलने का प्रयास करेंगे। इस दौरान वार्ड इंचार्ज व जूनियर नर्सिंग ऑफिसर एवं सुपरवाइजर अनिल शर्मा सहित अन्य मौजूद रहे।

आगर से पीथमपुर आ रही अवैध लकड़ी बरामद

हमारा स्वराज। धार

वन विभाग ने अवैध लकड़ी तस्करों के खिलाफ कठोर कदम उठाते हुए एक ट्रॉले को पकड़ा, जिसमें अवैध लकड़ी भरी थी। डीएफओ अशोक सोलंकी के नेतृत्व में इस कार्रवाई में उड़नदस्ता प्रभारी राजेंद्र राठौर को सूचना मिली कि शाजापुर जिले के(आगर) से एक ट्रॉला धार के पीथमपुर सागौर कुटी चौराहे की ओर बढ़ रहा है। वन विभाग की टीम ने ट्राला नंबर एमपी-13-जीए 24-92 को रोका। ट्रॉले की जांच में आरकाट की अवैध लकड़ी पाई गई। ट्रक ड्राइवर फुलसिंह सोंधिया को पकड़ा और ट्रॉले को जब्त कर सब रेंज बगड़ी में भेज दिया गया।

सिंहस्थ बैठक में सीएम ने की समीक्षा

उज्जैन, इंदौर और भोपाल संभाग में चल रहे विकास कार्यों तय समय में पूरा करने के निर्देश

हमारा स्वराज। उज्जैन

उज्जैन में वर्ष 2028 में लगने वाले सिंहस्थ महाकुंभ के विकास कार्यों को लेकर मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कोठी पैलेस स्थित प्रशासनिक भवन में बैठक की। इसमें सिंहस्थ के निर्माणाधीन 153 कार्यों की समीक्षा की गई। सिंहस्थ को ध्यान में रखते हुए उज्जैन इंदौर और भोपाल संभाग में 3728 करोड़ रुपए के विकास कार्य चल रहे हैं । इन्हीं कार्यों को तय समय पर पूरा करने और नए कार्यों को लेकर यहां बैठक में चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री ने मीडिया से चर्चा में कहा कि सिंहस्थ 2028 के कार्यों के लिए अलग-अलग विभागों द्वारा मंजूरी दी गई है। सिंहस्थ के विकास कार्य ओंकारेश्वर, महेश्वर, मंदसौर का पशुपतिनाथ, आगर का नलखेड़ा, शाजापुर सहित उज्जैन, इंदौर और भोपाल संभाग है। उज्जैन इंदौर भोपाल तीनों संभाग सिंहस्थ का कार्य क्षेत्र है। सिंहस्थ मध्य प्रदेश ही नहीं विश्व की एक शान है। इसके लिए कई विकास कार्य चल रहे हैं, तो कुछ पूर्ण कर लिए गए हैं। भविष्य में हमारा धार्मिक पर्यटन बड़े और मध्य प्रदेश में आर्थिक संपन्नता हो। सिंहस्थ के विकास कार्यों से लंबे समय तक लोगों को लाभ मिले इस बात का भी ध्यान दिया जा रहा है।

आज की समीक्षा में यह बात भी देखने को मिली कि कई कार्य दूरगामी दृष्टि से हमारे लिए लाभकारी होंगे। यहां चल रहे कई कार्यों को गति देने की आवश्यकता है । कई कार्य राज्य स्तर के हैं तो कई केंद्रीय स्तर के सभी कार्यों में तालमेल बैठाते हुए हम तेज गति से आगे बढ़ेंगे। उज्जैन की समीक्षा बैठक में सभी कार्यों को बारीकी से समझा है, भोपाल स्तर पर व्यक्तिगत तौर पर देखूंगा । बैठक में सांसद अनिल फिरोजिया विधायक, अनिल जैन, महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति कलावती यादव, संभाग आयुक्त संजय गोयल, डीआईजी नवनीत भसीन, इंदौर कलेक्टर आशीष सिंह, उज्जैन कलेक्टर रोशन कुमार सिंह, एसपी प्रदीप शर्मा सहित पुलिस प्रशासन के आला अधिकारी मौजूद रहे।

मुख्यमंत्री ने किया संत श्री कंवर राम जी की प्रतिमा का अनावरण

अलखधाम नगर कॉलोनी स्थित उद्यान का नाम संत कंवर राम उद्यान रखने की घोषणा

हमारा स्वराज। उज्जैन

अलखधाम नगर कॉलोनी स्थित उद्यान में सिंधी समाज एवं समर्थ सेवा संस्था द्वारा आयोजित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने संत श्री कंवर राम की प्रतिमा का अनावरण किया। साथ ही उद्यान का नाम संत कंवर राम उद्यान रखने की घोषणा की। मुख्यमंत्री द्वारा उद्यान को आदर्श उद्यान बनाने के लिए 30 लाख रुपए की घोषणा भी की गई। इस अवसर पर समर्थ संस्था द्वारा आयोजित निःशुल्क धार्मिक दिव्यांगजन हवाई यात्रा उज्जैन से नाथद्वारा में गए यात्रियों का सम्मान भी किया गया।

समर्थ संस्था के संयोजक महेश परियानी, श्याम माहेश्वरी, दीपक राजवानी द्वारा दिव्यांगजनों को निःशुल्क इंदौर से उदयपुर हवाई यात्रा द्वारा ले जाया गया। यह देश की प्रथम दिव्यांगजन निःशुल्क यात्रा थी। जिसको गोल्डन बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड में अंकित किया गया है जिसके पुरस्कार सम्मान पत्र मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव द्वारा प्रदान किए गए। इस यात्रा में महेश परियानी, दीपक राजवानी, कपिल बाशानी, वेद प्रकाश आडवाणी की सेवाओं के लिए मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने इन्हें सम्मानित किया। साथ ही संत कंवर राम की प्रतिमा स्थापित करवाने में योगदान देने हेतु सुनील नवलानी का सम्मान भी किया गया।

स्वागत भाषण श्याम महेश्वरी द्वारा दिया गया। संस्था परिचय विट्ठल नागर द्वारा दिया गया। इस गरिमामय कार्यक्रम में सांसद अनिल फिरोजिया, विधायक अनिल जैन कालूखेड़ा, नगर निगम महापौर मुकेश टटवाल, नगर निगम सभापति कलावती यादव, किशोर खंडेलवाल, क्षेत्रीय पार्षद दिव्या बलवानी, वासुदेव केसवानी, किशोर खंडेलवाल, संतोष लालवानी, दौलत खेमचंदानी, रमेश राजपाल, प्रताप रोहरा विशेष रूप से उपस्थित रहे। सुदेश नीम, प्रकाश चित्तौड़ा, राजेंद्र शाह, सरोज अग्रवाल, गजेंद्र खत्री, नामदेव रोजवानी, राजेंद्र झालानी, रमेश पोरवाल, कुलदीप आर्य, पुनीत व्यास, गोपाल अग्रवाल, सुनील मखीजा, अशोक बजाज, किशोर बजाज, जवाहर सनमुखानी, नरेश धनवानी, तुलसी राजवाणी, रमेश गजरानी, वीर कुमार मामनानी, किशोर मुलानी, जवाहर जयसिंघानी, राजेश आसवानी, संजय ठाकुर, कमल मोटवानी, प्रवीण खंडेलवाल, राजेश ठाकुर, गोपाल राचवानी, आकाश चावला, अशोक राजवानी, सुरेश सनमुखानी, अशोक हरपालनी, लीलाराम चंदनानी, स्वाति गजरानी, उषा सेवारवानी, भारती खेमचंदानी, दीपा वासवानी, निशा रामचंदानी, मधु हरपालनी, रीना उपस्थित थे। संचालन गोपाल बलवानी एवं आनंद पुरोहित ने किया एवं आभार दीपक बेलानी ने माना।

अखिल भारतीय फिरोजिया ट्राफी 2025 में हुए रोचक मुकाबले

हैवी टेनिस बॉल स्पर्धा में उड़ीसा की टीम रही विजेता

हमारा स्वराज। भोपाल

सांसद अनिल फिरोजिया द्वारा अपने पिता स्व. भूरेलाल फिरोजिया (पूर्व विधायक) की स्मृति में स्व. भूरेलाल फिरोजिया सामाजिक एवं शोध संस्था उज्जैन द्वारा आयोजित रात्रिकालीन अखिल भारतीय फिरोजिया ट्रॉफी 2025 का आयोजन 05 से 11 मई तक किया गया। इसके सेमिफाइनल और फाइनल मुकाबला रविवार को नगर के क्षीर सागर खेल मैदान में आयोजित किए गए। प्रथम सेमिफाइनल मुकाबला श्री राजवंश

इन्दौर विरूद्व श्री ग्वालियर एकादश के बीच खेला गया। इसमें श्री राजवंश विजेता रहा। दूसरा सेमिफाइनल में रेड डेवल्स नोएडा (दिल्ली) विरूद्व MUCC उड़ीसा के मध्य खेला गया, जिसमें MUCC उड़ीसा विजेता रहा। फाइनल मुकाबला श्री राजवंश इन्दौर (मध्यप्रदेश) विरूद्व MUCC उड़ीसा के बीच हुआ। श्री राजवंश इन्दौर ने पहले बैटिंग करते हुए 8 ओवर में 76 रन तीन विकेट के नुकसान पर बनाए। इससे MUCC उड़ीसा को हासिल करने में कड़ा मुकाबला करना पड़ा और मैच की अंतिम एक गेंद रहते 8 विकेट के नुकसान पर जीत हासिल की। सांसद फिरोजिया द्वारा विजेता MUCC उड़ीसा को प्रथम पुरस्कार फिरोजिया ट्रॉफी 2025 के साथ 5 लाख 51 हज़ार का पुरस्कार तथा उपविजेता टीम श्री राजवंश इन्दौर को द्वितीय पुरस्कार ट्रॉफी तथा 2 लाख 51 हज़ार रुपए दिए। शाहिद शेख बने मैन ऑफ द सीरिज जिन्हे ट्राफी के साथ हीरो की बाइक प्रदान की गई। फाइनल मुकाबले के मैन ऑफ द मैच श्री श्रेयश कदम (MUCC उड़ीसा) के खिलाड़ी को उनके प्रभावी खेल के लए टॉफी एवं 21 हजार रुपए दिए गए। मुख्यमंत्री डॉ यादव ने कहा कि अखिल भारतीय फिरोजिया ट्रॉफी में इंदौर और ओडिशा की टीमें फाइनल खेल रही है। दोनों टीम खेल भावना से खेल खेले और जीत का संपूर्ण प्रयास करे। जल्द ही हमारे प्रदेश एवं जिले से निकले खिलाड़ी भविष्य में रणजी खेल कर देश की टीम में चयनित हो और विश्व कप जीत कर जिले का नाम रोशन करे यही मंगलकामनाएं है।

मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह किया भेंट

सांसद अनिल फिरोजिया ने मुख्यमंत्री को स्मृति चिन्ह प्रदान कर कहा गया कि मुख्यमंत्री 20 वर्ष पूर्व भी प्रथम फिरोजिया ट्रॉफी के अतिथि थे और तब से लेकर आज तक लगातार 20 वर्षो से प्रतिवर्ष आप हमारे निवेदन पर हमेशा आते है। विशेष अतिथि के रूप में उज्जैन उत्तर विधायक अनिल जैन कालूखेडा, संजय अग्रवाल भाजपा नगर जिला अध्यक्ष, राजेश धाकड भाजपा जिला ग्रामीण अध्यक्ष, प्रदीप उपाध्याय भाजपा रतलाम जिला अध्यक्ष, रवि सोलंकी, सुशील श्रीवास पार्षद वार्ड 24, राजेश बाथम पार्षद वार्ड 16, विजय चौधरी, चरणजीत सिंह सन्नी, तनुज कश्यप, नितिन श्रीवास्तव आदि उपस्थित थे। कार्यक्रम का संचालन संस्था सचिव सुदर्शन शिशुलकर ने किया। आभार असलम शेख ने माना।

कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को कहा अलविदा, फैंस का टूटा दिल

एजेंसी। आखिरकार टीम इंडिया के स्टार खिलाड़ी विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कह दिया है। कई दिनों से लगातार चल रही खबरों पर कोहली ने खुद सोशल मीडिया के जरिए जानकारी देकर विराम लगा दिया है। अब वह सफेद कपडों में टीम इंडिया के लिए खेलते हुए नहीं दिखेंगे। सोमवार की सुबहर कोहली ने अचानक सोशल मीडिया के जरिए अपने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास की जानकारी दी। हाल ही में रोहित शर्मा ने भी टेस्ट क्रिकेट को अलविदा कहा था। जिस कारण भारतीय टीम को ये डबल झटका है। कोहली ने इंस्टाग्राम पर लिखा कि, टेस्ट क्रिकेट में पहली बार बैगी ब्लू पहनकर खेले हुए 14 साल हो गए हैं। सच कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि ये फॉर्मेट मुझे ऐसी यात्रा पर ले जाएगा। इसने मुझे परखा, मुझे गढ़ा और ऐसे सबक सिखाए जो मैं जिंदगी भर अपने साथ रखूंगा। सफेद जर्सी में खेलना कुछ बहुत ही व्यक्तिगत अनुभव जैसा होता है शांत संघर्ष, लंबे दिन, वे छोटे-छोटे पल जो कोई नहीं देखता लेकिन हमेशा के लिए दिल में बस जाते हैं।

रिटायरमेंट पर गौतम गंभीर से लेकर हरभजन सिंह तक ने दी प्रतिक्रिया

विराट कोहली की रिटायरमेंट बेहद चौंकाने वाली है क्योंकि महज एक महीने बाद ही भारतीय क्रिकेट टीम का इंग्लैंड दौरान शुरू होने वाला है। वहीं विराट कोहली ने टेस्ट रिटायरमेंट की घोषणा करते हुए लिखा कि, टेस्ट क्रिकेट में पहली बार बैगी ब्लू पहनकर खेले हुए 14 साल हो गए हैं। सच कहूं तो मैंने कभी नहीं सोचा था कि ये फॉर्मेट मुझे ऐसी यात्रा पर ले जाएगा। इसने मुझे परखा, मुझे गढ़ा और ऐसे सबक सिखाए जो मैं जिंदगी भर अपने साथ रखूंगा। सफेद जर्सी में खेलना कुछ बहुत ही व्यक्तिगत अनुभव जैसा होता है शांत संघर्ष, लंबे दिन, वे छोटे-छोटे पल जो कोई नहीं देखता लेकिन हमेशा के लिए दिल में बस जाते हैं। वहीं कोहली के इस चौंकाने वाले ऐलान के बाद कई क्रिकेटर्स ने अपना रिएक्शन दिया। जहां हरभजन सिंह ने विराट को धन्यवाद नहीं बल्कि ये पूछा कि वो क्यों रिटायर हो गए? जिसके बाद हरभजन के इस सवाल से ये मालूम होता है कि वह भी नहीं चाहते थे कि कोहली अभी रिटायरमेंट ले और कई साल और खेलते। टीम इंडिया के मौजूदा हेड कोच गौतम गंभीर ने सोशल मीडिया पर लिखा कि, एक व्यक्ति जिसके अंदर शेर जैसा जुनून है। आपकी बहुत याद आएगी विराट। विराट के अच्छे दोस्त एबी डिविलियर्स ने भी उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं भेजीं।

क्रिकेट रिकॉर्ड्स, जिन्हें तोड़ पाना हर किसी के लिए असंभव

टीम इंडिया के दिग्गज विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट से संन्यास ले लिया। 14 साल तक टेस्ट क्रिकेट में अपनी बादशाहत कायम करने वाले कोहली ने 12 मई 2025 को इस फॉर्मेट को अलविदा कह दिया। अपनी आक्रामक बल्लेबाजी, बेहतरीन कप्तानी और विपक्षी टीम से जीत छीनने की काबिलियत के लिए मशहूर कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में कई ऐसे रिकॉर्ड बनाए, जिन्हें तोड़ना भविष्य में किसी भी खिलाड़ी के लिए बेहद मुश्किल होगा।

कोहली ने भारत की टेस्ट टीम की कमान संभालते हुए 68 मैचों में कप्तानी की और इस दौरान 40 बार टीम को जीत दिलाई। उनके नेतृत्व में भारत को सिर्फ 17 मैचों में हार झेलनी पड़ी। ये रिकॉर्ड उन्हें भारत का सबसे सफल टेस्ट कप्तान बनाता है। उनसे पहले एमएस धोनी ने 60

टेस्ट मैचों में 27 जीत हासिल की थी। कोहली का ये रिकॉर्ड इतना मजबूत है कि इसे तोड़ना किसी भी नए कप्तान के लिए एक बड़ी चुनौती होगा। इसके अलावा विराट कोहली ने अपने टेस्ट करियर में 123 मैचों की 210 पारियों में 9,230 रन बनाए। इस दौरान उनके बल्ले से 7 दोहरे शतक निकले, जो किसी भारतीय टेस्ट कप्तान द्वारा बनाया गया सबसे बड़ा रिकॉर्ड है। खास बात ये है कि अपने करियर के पहले पांच सालों में कोहली ने एक भी दोहरा शतक नहीं लगाया था, लेकिन 2016 केबाद उन्होंने इस मामले में रिकॉर्ड्स की झड़ी लगा दी। 7 दोहरे शतक के साथ वह इस उपलब्धि को हासिल करने वाले एकलोते भारतीय टेस्ट कप्तान हैं। ये रिकॉर्ड भी उनके टेस्ट करियर की सबसे बड़ी पहचान बन गया है, जिसे भविष्य में तोड़ना आसान नहीं होगा। विराट कोहली ने टेस्ट क्रिकेट में अपनी कप्तानी से एक नया इतिहास भी रचा था। उन्होंने टीम की कमान 68 टेस्ट मैचों में संभाली थी।

व्यापार

Tata होसुर प्लांट में iPhone Casing का उत्पादन करेगी दोगुणा, रिपोर्ट में हुआ खुलासा

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स ने तमिलनाडु के होसुर संयंत्र में आईफोन के आवरणों के उत्पादन को बढ़ाने की तैयारी की है। टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स अब अपनी वर्तमान क्षमता को दोगुणा करने की तैयारी में जुटी हुई है। अब ये क्षमता लगभग 50 हजार युनिट्स से बढ़कर इसका दोगुणा निर्माण करने की हो जाएगी। द इकोनॉमिक टाइम्स की एक रिपोर्ट में ये जानकारी दी गई है।

रिपोर्ट में एक सूत्र के हवाले से बताया गया कि टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स के संयंत्र में मौजूदा क्षमता 50 हजार यूनिट्स की है जिसे दोगुणा करने पर विचार किया जा रहा है। ये विस्तार एप्पल के वार्षिक उत्पाद रिलीज चक्र के साथ मेल खाएगा। आमतौर पर एप्पल का नया प्रोडक्ट सितंबर में लॉन्च होता है। ये सुविधा के विस्तार के दूसरे चरण का हिस्सा है। पिछले

वर्ष सितम्बर में आग लगने के कारण परिचालन बाधित हो गया था। इस घटना के बाद टाटा की विस्तार की योजना अस्थायी तौर पर रुक गई थी।

वहीं आग लगने के बाद संयंत्र में परिचालन बाधित हुआ था। इसके बाद से ही प्रयास किए जा रहे हैं कि स्थिति को सामान्य किया जाए। इस मामले से परिचित अन्य व्यक्ति ने कहा कि आग लगने के बाद उन्हें पटरी पर आने में समय लगेगा। रिपोर्ट की मानें तो क्षमता आग लगने से पहले के स्तर पर पहुंच गई है। अब इसका विस्तार किया जाएगा। ये विस्तार ऐसे समय में होगा जब एप्पल विस्तार के लिए भारत की ओर देख रहा है। बता दें कि एक मई को एप्पल की पहली तिमाही का आयोजन हुआ था, जिसमें सीईओ टिम कुक ने एप्पल की वैश्विक उत्पादन रणनीति में भारत के बढ़ते महत्व पर जोर दिया था। इस दौरान सीईओ टिम कुक ने कहा, 'जून तिमाही के लिए, हम

टाटा ने एप्पल के इकोसिस्टम में अपनी स्थिति मजबूत की: एप्पल की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला में बड़ी भूमिका निभाने की टाटा इलेक्ट्रॉनिक्स की महत्वाकांक्षा पिछले वर्ष में तेजी से स्पष्ट हुई है। मार्च 2024 में, समूह ने कर्नाटक के नरसापुरा में स्थित विस्ट्रॉन के भारत परिचालन का अधिग्रहण पूरा कर लिया। इस कदम के बाद 2025 की शुरुआत में टाटा ने पेगाट्रॉन टेक्नोलॉजी इंडिया में 60 प्रतिशत नियंत्रित हिस्सेदारी हासिल कर ली।

उम्मीद करते हैं कि अमेरिका में बिकने वाले अधिकांश आईफोन का मूल देश भारत होगा।' उन्होंने यह भी बताया कि जहां भारत आईफोन उत्पादन में भूमिका निभाएगा।

युद्ध विराम के बाद खुला बाजार सेंसेक्स ने लगाई 2975 छलांग

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

भारत-पाकिस्तान के बीच सीजफायर की घोषणा के बाद सोमवार, 12 मई को सेंसेक्स 2975 अंक (3.74%) चढ़कर 82,430 के स्तर पर बंद हुआ। सेंसेक्स की ये साल की सबसे बड़ी तेजी है। इससे पहले सेंसेक्स 15 अप्रैल को 1,577 पॉइंट या 2.10% चढ़ा था। सेंसेक्स के 30 में से 28 शेयरों में तेजी है। इंफोसिस के शेयर में 7.67%, HCL टेक में 5.97%, टाटा स्टील में 5.64%, जोमैटो में 5.51%, TCS 5.42 % और टेक महिंद्रा 5.36% की तेजी रही। ICICI बैंक और NTPC समेत कुल 7 शेयरों में 4.5% का उछाल देखने को मिला। इसके अलावा, बजाजा फिनसर्व और M&M सहित कुल 5 शेयर्स 3.5% चढ़कर बंद हुए। सनफार्मा और इंडसइंड बैंक के शेयर में 3.4% की गिरावट रही। निफ्टी में भी 917 अंक (3.82%) की तेजी रही, ये 24,925 के स्तर पर बंद हुआ। NSE के IT इंडेक्स में 6.70%, रियल्टी में 5.93%, मेटल में 5.86%, फाइनेंशियल सर्विसेज में 4.21% और ऑटो में 3.41% की तेजी रही। वहीं, FMCG, मीडिया और बैंकिंग शेयर्स 3% से ज्यादा चढ़कर बंद हुए। सीजफायर के बाद भारत और पाकिस्तान के बीच टेंशन कम हुई है। इस मामले से जुड़े सभी डेवलपमेंट्स पर निवेशकों की नजर रहेगी। रिटेल महंगाई के अप्रैल महीने के आंकड़े 13 मई को जारी किए जाएंगे। अप्रैल में महंगाई कम होकर 3% से नीचे आने की संभावना है। MRF, PNB बैंक, हिंदुस्तान पेट्रोलियम, अडाणी पोर्ट्स और अडाणी एंटरप्राइजेज सहित कई कंपनियों के तिमाही नतीजे उम्मीद से बेहतर रहे। बीते हफ्ते विदेशी संस्थागत निवेशकों (FII) ने अपनी खरीदारी का सिलसिला जारी रखा और सैगमेंट में लगभग 5,087 करोड़ रुपए की खरीदारी की।

सोना 3,340 गिरकर 94,393 पर आया

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

सोने-चांदी के दाम में यानी 12 मई को बड़ी गिरावट रही। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन (IBJA) के अनुसार 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 3,340 घटकर 93,076 पर आ गया है। कल सोने की कीमत 96,416 प्रति 10 ग्राम थी।

वहीं, चांदी का भाव 1,631 गिरकर 94,095 हो गया है। इससे पहले चांदी का भाव 95,726 प्रति किलो था। इससे पहले सोने ने 21 अप्रैल को 99,100 और 28 मार्च को चांदी ने 1,00,934 का ऑल टाइम हाई बनाया था। बीते दिनों सोने-चांदी की कीमतें बढ़ने के बाद अब निवेशक अपना गोल्ड बेचकर मुनाफा कमा रहे हैं। एक्सपर्ट्स के अनुसार आने वाले दिनों में शॉर्ट टर्म में सोने-चांदी में और गिरावट देखने को मिल सकती है। हालांकि इसके बाद सोने में फिर तेजी आएगी। इस साल यानी 1 जनवरी से अब तक 10 ग्राम 24 कैरेट सोने का दाम 76,162 रुपए से 16,914

रुपए बढ़कर 93,076 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं, चांदी का भाव भी 86,017 रुपए प्रति किलो से 8,078 रुपए बढ़कर 94,095 रुपए पर पहुंच गया है। वहीं पिछले साल यानी 2024 में सोना 12,810 रुपए महंगा हुआ था।

अमेरिका-चीन में हुई ट्रेड डील:दोनों ने 115% टैरिफ घटाया अब US 30% और चीन 10% टैरिफ एक दूसरे पर लगाएंगे

हमारा स्वराज। नई दिल्ली

अमेरिका और चीन के बीच जेनेवा में ट्रेड डील पर सहमति बन गई है। दोनों देशों ने टैरिफ में 115% कटौती का ऐलान किया है।

जिनेवा में दोनों देशों के बीच हुए समझौते के मुताबिक अमेरिका, चीनी सामानों पर 30% टैरिफ लगाएगा। वहीं चीन, अमेरिकी सामानों पर 10% टैरिफ लगाएगा। दोनों देशों के बीच टैरिफ में यह कटौती फिलहाल 90 दिनों के लिए हुई है। जिनेवा में दो दिनों की बातचीत के बाद दोनों देशों के बीच ये समझौता हुआ है। चीन

के साथ चल रहे ट्रेड वॉर के बीच इसे राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प की बड़ी जीत माना जा रहा है। व्हाइट हाउस ने 11 मई को एक बयान में चीन व्यापार समझौते की घोषणा की थी। हालांकि व्हाइट हाउस ने तब इसकी डिटेल नहीं दी थी। चीनी उप-प्रधानमंत्री हे लीफेंग ने कहा था कि जिनेवा में सोमवार को एक जॉइंट स्टेटमेंट जारी किया जाएगा। वहीं, उप वाणिज्य मंत्री ली चेंगगैंग ने कहा कि इसमें दुनिया के लिए अच्छी खबर होगी। अमेरिकी अधिकारियों ने इसे व्यापार घाटा कम करने के लिए एक डील बताया, जबकि चीनी अधिकारियों ने कहा कि दोनों पक्षों के बीच अहम सहमति बनी है और नए सिरे से आर्थिक बातचीत शुरू करने पर सहमति हुई है। पिछले महीने ट्रम्प ने चीनी सामानों पर 145% टैरिफ लगा दिए थे, जिसके बदले चीन ने भी अमेरिकी सामान पर 125% तक का टैरिफ लगा दिया था। जिससे दुनिया की दो सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं के बीच सालाना 600 अरब डॉलर का व्यापार लगभग रुक गया था।

हमारा स्वराज
भोपाल, मंगलवार, 13 मई 2025

लीनेस क्लब सर्वमंगला ने वृद्ध आश्रम में मनाया मदर्स-डे

हमारा स्वराज। अशोकनगर

लीनेस क्लब सर्वमंगला द्वारा वृद्ध आश्रम अपना घर पहुंचकर मदर्स-डे मनाया गया। इस दौरान क्लब की सदस्याओं ने वृद्ध माताओं के बीच खूब खुशियां मनाईं उनके जीवन के खट्टे मीठे अनुभवों को सुना और आत्मसात किया। इस दौरान क्लब की सदस्याएं अपने साथ ले गईं केक को वृद्ध माताओं ने काटकर एक दूसरे को खिलाया और साथ में स्वल्पाहार किया। क्लब की अध्यक्ष लीनेस दिव्य प्रभा तायडे ने बताया कि माताओं से बात करते हुए हमने उनके जीवन के अमूल्य अनुभव ग्रहण किए, उनके साथ खट्टी मीठी यादों को ताज किया। जब हम उनके बीच पहुंचे तो उन्हें असीम खुशी का एहसास हुआ। उन्होंने बताया कि हम क्लब के माध्यम से कुछ अच्छा और नेक प्रयास कर रहे हैं,आज के दौर में समाज में संवेदनशीलता खत्म हो रही है। हमें बहुत तकलीफ हुई उन बुजुर्ग महिलाओं से बात करके जिन्हें उनके बच्चों ने वृद्ध आश्रम में रखा हुआ है। हम भावुक हो गए, उन्होंने कहा कि मरने के बहुत रास्ते हैं,पर जन्म लेने का केवल एक...मां। इस दौरान क्लब अध्यक्ष श्रीमती तायडे, सचिव लीनेस अमिता खेर ने बुजर्ग माताओं से आशीर्वाद प्राप्त किया। इस अवसर पर क्लब की अन्य सदस्याएं भी मौजूद रहीं।

सिंधिया के निर्देश पर शुरु हुआ काम

जल्द बनकर तैयार होगी वीआईपी सड़क

हमारा स्वराज। अशोकनगर

केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने पछाड़ीखेड़ा चौराहे से न्यू रेस्ट हाउस जाने वाली वीआईपी सड़क के निर्माण को लेकर अधिकारियों से जवाब तलब किया है।

लंबे समय से जर्जर हालत में पड़ी सड़क की निर्माण प्रक्रिया शुरू कराने को लेकर सिंधिया ने जिला प्रशासन के अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए हैं। सिंधिया के एक्शन के बाद पीडब्ल्यूडी एवं नगर पालिका ने निर्माण कार्य शुरू कर दिया है। अधिकारियों की ओर से बताया गया है कि 2 मई को कार्यादेश जारी होने के बाद सड़क निर्माण सामग्री एवं मशीनरी साइट पर पहुंचा दी गई है। 10 दिन के अंदर पाइपलाइन कार्य पूरा होने के बाद अगले 15 दिनों में सीसी रोड का निर्माण किया जाएगा। गौरतलब है कि पूर्व में मंत्री सिंधिया के विशेष प्रयासों से वीआईपी रोड न्यू रेस्ट हाउस जाने वाली सड़क के निर्माण को मंजूरी मिली थी।

1 किलोमीटर लंबी इस सड़क के लिए सिंधिया की पहल पर पीडब्ल्यूडी विभाग ने 2 करोड़ रुपए का स्पेशल पैकेज दिया था। जिसके बाद नगर पालिका द्वारा पाइपलाइन डाले जाने के लिए टेंडर प्रक्रिया शुरू की गई थी।

शाढ़ौरा में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आयोजित

हमारा स्वराज। अशोकनगर

सोमवार को प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश सतीश चंद्र शर्मा के मार्गदर्शन में विधिक साक्षरता एवं जागरूकता शिविर आदिवासी बस्ती, दलित बस्ती इंदिरा कॉलोनी कटरा मोहल्ला शाढ़ौरा में जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। जिसमें न्यायाधीश सचिव मनीष अनुराग की उपस्थिति में संपन्न हुआ। अनुरागी द्वारा पीड़ित प्रतिकार योजना, जन-उपयोगी लोक अदालत, नेशनल लोक अदालत, बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम एवं निशुल्क विधिक सहायता एवं सलाह योजना के बारे में जानकारी दी गई। कार्यक्रम में वार्ड पार्षद रवि मोहिने, पैरालीगल वॉलिंटियर सीताराम अहिरवार, प्रधान आरक्षक विजय रघुवंशी, प्रधान आरक्षक रविंद्र रघुवंशी, आरक्षक नवीन रघुवंशी, आरक्षक अनिल परिहार एवं हंड्रेड डायल का समस्त स्टाफ, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सहायिकाओं एवं बस्ती के प्रमुखों ने विचारों को धैर्यपूर्वक सुना एवं समझा और अपने जीवन में उतारने का प्रतिज्ञा ली।

बस स्टैंड क्षेत्र में मिला अज्ञात व्यक्ति का शव

गुना। गुना बस स्टैंड क्षेत्र में एक होटल और वाइन शॉप के नजदीक अज्ञात शव मिलने से सनसनी फैल गई है। जानकारी सामने आई है कि सोमवार सुबह स्थानीय लोगों द्वारा शव देखे जाने के बाद तत्काल पुलिस को सूचित दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला अस्पताल भेज दिया है। मृतक की पहचान अभी तक नहीं हो पाई है। वह बिना कमीज के, केवल सफेद रंग की पेंट और बनियान पहने हुए था। उसके हाथ में लोहे का कड़ा और लाल-पीले रंग के धार्मिक धागे बंधे थे, जबकि उसका चेहरा किसी अज्ञात व्यक्ति ने तौलिये से ढक रखा था।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो के आधार पर की थी यादव समाज ने शिकायत

पूर्व विधायक डग्गी राजा पर चन्देरी थाने में प्रकरण दर्ज

हमारा स्वराज। अशोकनगर

पूर्व विधायक गोपाल सिंह चौहान उर्फ डग्गीराजा पर यादव समाज के प्रतिनिधियों की शिकायत पर सोमवार को आपराधिक प्रकरण दर्ज किया गया है। उल्लेखनीय है कि तीन बार विधायक रहे और चार बार जनपद अध्यक्ष रहे गोपाल सिंह चौहान का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। सोमवार को यादव समाज के लोगों ने चन्देरी थाने पहुंचकर इस वीडियो के आधार पर डग्गीराजा पर एफआईआर करने हेतु आवेदन दिया था, जिसके बाद पुलिस ने विभिन्न धाराओं के तहत कांग्रेस के पूर्व विधायक पर प्रकरण दर्ज कर लिया है। आवेदन में चन्देरी निवासी नारायण सिंह यादव सहित समाज के अध्यक्ष केपी यादव सेमरा, गांधी यादव, बबलू यादव धतुरिया आदि ने बताया कि पूर्व विधायक द्वारा यादव समाज के प्रति गाली-गलौंच की गई है साथ ही यादव, लोधी व ठाकुर समाज में उनके इस बयान से वैमनस्यता पैदा होगी और लड़ाई-झगड़ा होने की पूर्ण आशंका है इसलिए पूर्व विधायक डग्गीराजा चौहान उर्फ गोपाल सिंह चौहान पर वैधानिक कार्रवाई कर एफआईआर दर्ज की जाए। पुलिस ने नारायण सिंह यादव की रिपोर्ट पर पूर्व विधायक के विरुद्ध बीएनएस की धारा 196 के तहत प्रकरण दर्ज किया गया है।

15 साल का बेटा भोपाल रेफर, ईसागढ़ रोड पर हुआ हादसा

बोलेरो और बाइक की टक्कर में दंपती की मौत

हमारा स्वराज। अशोकनगर

अशोकनगर जिले के ईसागढ़ रोड इमला गांव के पास सोमवार को एक तेज रफ्तार बोलेरो ने बाइक को टक्कर मार दी। इसमें बाइक सवार पति-पत्नी की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उनका 15 वर्षीय बेटा गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे के बाद बोलेरो दोनों को करीब 60 फीट तक घसीटती चली गई, जिससे हादसे की भयावहता और बढ़ गई।

हादसे में दंपती की मौत, बेटा गंभीर

मृतकों की पहचान कुलवार निवासी सुनील कुशवाहा (40) और उनकी पत्नी सुनीता कुशवाहा (38) के रूप में हुई है। उनका बेटा सुमित कुशवाहा हादसे में गंभीर रूप से घायल हो गया। उसे प्राथमिक इलाज के बाद भोपाल रेफर किया गया है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों ने तीनों को एंबुलेंस से जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां उपचार के दौरान पति-पत्नी ने दम तोड़ दिया।

पोस्टमॉर्टम के बाद सौंपे गए शवः शाम को दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम कर परिजनों को सौंप दिया गया। घटना के बाद पूरे गांव में मातम पसरा हुआ है। मृतक दंपती अपने बेटे के साथ किसी काम से अशोकनगर आ रहे थे, तभी यह हादसा हो गया।

CCTV फुटेज से बोलेरो की पहचान

घटना के बाद पुलिस ने इलाके में लगे सीसीटीवी फुटेज की मदद से बोलेरो की पहचान कर ली है। देहात थाना प्रभारी रवि प्रताप चौहान ने बताया कि बोलेरो की तलाश जारी है और जल्द ही उसे जब्त कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

ट्रक से चोरी के मामले में लोडिंग वाहन के चालक को दबोचा

हमारा स्वराज। गुना

नानाखेड़ी इलाके में एक ट्रक चालक ने पिकअप वाहन के चालक को चोरी के आरोप में पकड़कर पुलिस के हवाले कर दिया है। बताया जा रहा है कि पिकअप चालक के कब्जे से चोरी का सामान बरामद किया गया है, जिसे आरोपी ने ट्रक का कांच तोड़कर चोरी कर लिया था। जानकारी के मुताबिक बीजी रोड निवासी ट्रक चालक राजू यादव ने रविवार रात लगभग 8.30 बजे नानाखेड़ी के नजदीक रिलायंस पेट्रोल पम्प के पास 12 पहिया वाला ट्रक खड़ा किया था। इसके बाद वे अपने घर चले गए थे। वापस आकर देखा तो ट्रक में लगी बैट्री, अंदर रखा जैक, कुछ महत्वपूर्ण उपकरण और डीजल भी चोरी हो चुका था। राजू ने अपने स्तर पर पड़ताल की और आसपास के कैमरे खंगाले तो 8 बजकर 45 मिनट पर ट्रक के नजदीक एक पिकअप वाहन खड़ा नजर आया। संदेह होने पर राजू ने पिकअप वाहन को बायपास पर दबोच लिया और पुलिस को खबर कर दी। पुलिस की पकड़ में आए पिकअप चालक ने पूछताछ में चोरी की वारदात कबूल कर ली है। आरोपी के कब्जे से बैट्री और जैक बरामद कर लिया गया है। पुलिस अब पिकअप चालक को हिरासत में लेकर सख्ती से पूछताछ कर रही है। खास बात यह है कि इस मामले के सामने आने के बाद इस इलाके में अक्सर वाहन खड़ा करने वाले चालक पूर्व में भी इस तरह की वारदातें होने की जानकारी दे रहे हैं। कोतवाली पुलिस पकड़े गए पिकअप वाहन चालक से पूछताछ कर रही है, संभावना जताई जा रही है कि आरोपी से पूछताछ में कुछ अन्य वारदातों का खुलासा हो सकता है।

समर्थन मूल्य पर 5 लाख 71 हजार 940 क्विंटल गेहूं का हुआ उपार्जन

गुना। मौजूदा रबी विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में समर्थन मूल्य पर 5 हजार 884 किसानों से 5 लाख 71 हजार 940 क्विंटल गेहूँ का उपार्जन सरकार द्वारा किया गया है। गेहूँ उपार्जन के लिये जिले में 27 केन्द्र स्थापित किए गए थे। समर्थन मूल्य पर गेहूँ बेचकर गए किसानों के खातों में जिले में अब तक लगभग 102 करोड़ 88 लाख रूपए की धनराशि पहुँचाई जा चुकी है। सरकार द्वारा 2600 रूपए प्रति क्विंटल के हिसाब से समर्थन मूल्य पर गेहूँ की खरीदी की गई है। जिसमें 175 प्रति क्विंटल बोनस शामिल है। जिले में समर्थन मूल्य पर उपार्जित किए गए कुल गेहूँ में से 99.36 प्रतिशत गेहूँ का गोदामों में सुरक्षित भण्डारण किया जा चुका है। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल ने शेष गेहूँ को भी जल्द से जल्द गोदामों में पहुँचाने के निर्देश दिए है। जिला आपूर्ति अधिकारी अवधेश पाण्डेय ने बताया जिले में समर्थन मूल्य पर गेहूँ बेचने के लिए 15 हजार 730 किसानों ने पंजीयन कराया था। किसानों द्वारा 7 हजार 955 स्लॉट बुक कराए गए थे। इन स्लॉट के आधार पर समर्थन मूल्य पर 5 लाख 71 हजार 940 क्विंटल गेहूँ की खरीदी किसानों से की गई है।

अशोकनगर जिले में गेहूं का अवैध भंडारण और परिवहन करने वाले 8 लोगों पर एफआईआर

हमारा स्वराज। अशोकनगर

तहसील चंदेरी के ग्राम बडेरा में शासकीय गेहूँ के अवैध भण्डा रण एवं परिवहन की सूचना पर जांच की गई। जांच उपरांत इस संबंध में कनिष्ठण आपूर्ति अधिकारी चंदेरी संजीत सिंह ने थाना चंदेरी में 8 आरोपियों के विरूद्ध एफ.आई.आर. दर्ज कराये जाने हेतु लिखित में आवेदन किया था, जिसके आधार पर 8 आरोपियों पर एफ.आई.आर. दर्ज की गई है। दर्ज एफ.आई.आर.के तहत 10 मई 2025 को ग्राम बडेरा तहसील चंदेरी में गेंहू के अवैध भंडारण एवं परिवहन की सूचना पर जांच की गई। जिसमें पाया कि ग्राम बडेरा में अरविन्द लोधी पुत्र लालसिंह लोधी के मकान पर गेंहू के 91 कट्टे, भगवानसिंह पुत्र भूपतसिंह के मकान पर गेंहू के 105 कट्टे एवं खुशीलाल पुत्र देशराज यादव के घर गेंहू के 204 कट्टे कुल 400 कट्टे (200 क्विंटल) पाये गये। उक्त गेंहू उपार्जन वर्ष 2025-26 के बारदानों में रखा पाया गया। मौके पर 02 अन्नदूत वाहन कमांक एमी 67 जेडबी 8170 व वाहन कमांक एमपी 67 जेडबी 2818 इसके परिवहन के लिये उपयोग करते पाये गये। मौके पर उक्त 200 क्विंटल गेंहू और 02 अन्नदूत वाहन जप्त किये गये। जांच में पाया कि इस 200 क्विंटल गेंहू को सेवा सहकारी समिति डोंगर उपार्जन केन्द्र एमपीडब्ल्यूएलसी 03 चंदेरी के समिति प्रबंधक द्वारा ओमकार लोधी पुत्र रामप्रसाद लोधी एवं अरविन्द लोधी पुत्र श्रीलाल लोधी को तुलाई उपरांत साफ-सुधरा कर वापिस लाने के लिये दिया गया था। खरीदी केन्द्र गोदाम के भौतिक सत्यापन में कुल 3277.32 क्विंटल गेंहू संधारित नहीं पाया गया। आवश्यक वस्तु अधिनियम के अंतर्गत प्रमोद कोली पुत्र चम्पालाल कोली निवासी चंदेरी समिति प्रबंधक सेवा सहकारी समिति डोंगर, ओमकार लोधी पुत्र रामप्रसाद लोधी निवासी ग्राम बडेरा, अरविन्द लोधी पुत्र लालसिंह लोधी निवासी ग्राम बडेरा, चालीराजा यादव पुत्र भीमसिंह यादव निवासी ग्राम मीठाखेडा अन्नदूत वाहन चालक, हरिराम यादव पुत्र मेहताव यादव निवासी ग्राम मीठाखेडा अन्नदूत वाहन चालक, हामिद अली उर्फ सलमान पुत्र मोबारिक अली निवासी चंदेरी सिलाईकर्ता, पवन झा पुत्र रमेश झा निवासी ग्राम बडेरा, जयदेव कोली पुत्र चम्पालाल कोली निवासी चंदेरी कम्प्यूटर ऑपरेटर सेवा सहकारी समिति डोंगर द्वारा आपराधिक कृत्य करना पाये जाने पर एफआईआर दर्ज की गई।

सिविल डिफेंस सिस्टम को मजबूत करने कलेक्टर की अध्यक्षता में हुई बैठक

गुना शहर में 10 जगहों पर लगाए जाएंगे सायरन

हमारा स्वराज। गुना

सोमवार को कलेक्ट्रेट सभागार में सिविल डिफेंस सिस्टम को सुदृढ़ और व्यवस्थित करने को लेकर महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। कलेक्टर किशोर कुमार कन्याल की अध्यक्षता में हुई बैठक में पुलिस अधीक्षक अंकित सोनी, अपर कलेक्टर अखिलेश जैन, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक मानसिंह ठाकुर, एसडीएम शिवानी पांडे, डिप्टी कलेक्टर एवं प्रभारी सीएमओ मंजूषा खत्री, परियोजना अधिकारी तेज सिंह यादव सहित संबंधित अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित रहे।

बैठक में आपदा प्रबंधन से संबंधित विभिन्न बिंदुओं पर चर्चा की गई। कलेक्टर ने शहर के प्रमुख 10 स्थानों पर सायरन स्थापित करने के निर्देश दिए और स्पष्ट किया कि इन सायरनों का मुँह चारों दिशाओं की ओर होना चाहिए, जिससे हर दिशा में जानकारी समान रूप से पहुंचे। इसके अलावा सभी शासकीय वाहनों में पब्लिक एड्रेस (पीए) सिस्टम अनिवार्य रूप से लगाने के निर्देश दिए गए ताकि आपात स्थिति में त्वरित और समन्वित जानकारी दी जा सके। बैठक में होमगार्ड विभाग द्वारा जानकारी दी गई कि वॉलिंटियर्स की ट्रेनिंग शीघ्र ही पीजी कॉलेज में प्रारंभ की जाएगी। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अधिक से अधिक संख्या में वालंटियर्स बनाए जाएं और उनकी उचित ट्रेनिंग कराई जाए। उन्होंने पुलिस, होमगार्ड, नगरपालिका, चिकित्सा विभाग सहित अन्य विभागों को भी वालंटियर्स तैयार करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सीएमएचओ द्वारा जिला अस्पताल में उपलब्ध स्वास्थ्य सेवाओं, सिविल सर्जन की स्थिति एवं बिस्तरों की उपलब्धता की जानकारी पीपीटी के माध्यम से दी गई। कलेक्टर ने निर्देश दिए कि अस्पताल में 100 अतिरिक्त बेड की व्यवस्था सुनिश्चित की जाए तथा जिले के समस्त निजी अस्पतालों की व्यवस्थाओं एवं उपलब्धताओं की सूची तैयार की जाए। बैठक में प्राप्त आपदा प्रबंधन से जुड़े नवीनतम सर्कुलरों पर विस्तृत चर्चा एवं समीक्षा की गई तथा उन्हें स्थानीय आवश्यकता के अनुरूप क्रियान्वित करने की कार्ययोजना पर मंथन किया गया। कलेक्टर ने समस्त विभागों से समन्वय बनाकर आपदा प्रबंधन की प्रभावी रूपरेखा तैयार करने और धरातल पर क्रियान्वयन के निर्देश दिए।

स्वामी वन टू वन मीडिया एंड कम्युनिकेशन के लिए मुद्रक/प्रकाशक जितेंद्र कोठारी द्वारा प्रदेश वॉच मीडिया ग्रुप, 11 प्रेस कॉम्पलेक्स एमपी नगर, जोन-1, भोपाल (म.प्र.) से मुद्रित एवं 42, निर्मल एंक्लेव, जैन नगर, लाल घाटी, भोपाल (म.प्र.) -462030 से प्रकाशित। संपादक- मृदुल जैन*, आरएनआई नं. MPHIN/2012/43383, मो. 83570-89000, Email: hamara.swaraj@gmail.com समाचार चयन के लिए पीआरपी एक्ट के तहत जिम्मेदार।